5994

सेपेडेद् दुरंगको

ओड़ो: एटअ: ओनोलको

ओनोरोड: आद् सनड:

जुनास कन्डुलना : 'मुन्डा होन' लौरेन्स सिलास हेमरोम : 'सेरेञ'

रेमिस कन्डुलना

सेपेड़ेद् दुरंगको ओड़ओः एटअः ओनोलको

यवन दिल की गेय कविताएँ व अन्य लेख
जुनास कन्डुलना मुन्डा होन

एवम्

ओनोरोङ आद् सनङ : मृदुल गुंजन व अभिलाषा
लौरेन्स सिलास हेमरोम सेरेञ

सलन उनुसकुर दुरंगको : चुनिंदा प्रेरित कविताएँ
मुण्डा–हिन्दी

अनुवाद : रेमिस कन्डुलना

15 : अक्टूबर : 2015.
संत जेवियर्स कॉलेज, राँची : झारखण्ड

कम्प्युटर ग्रॉफिकस डिजाइनिंग एवं लेआउट
विशाल होरो
संत जेवियर्स कॉलेज
आदिवासी शोध केन्द्र राँची
E-mail-ambervishal24@gmail.com

ISBN : 978-93-85408-21-2

रेमिस कन्डुलना

अनुवाद के दो शब्द

ऑस्ट्रो–एशियाटिक, आग्नेय भाषा परिवार में जन्म लेने के वावजूद, मुंडारी से हिन्दी में अनुवाद करना, मेरे लिए बहुत ही टेढ़ी खीर है। अक्सर मैं झारखंड के विशाल–विशाल सरजोम, सराई, सखुआ व शाल वृक्ष के छांव तले बैठकर चिंतन करता हूँ कि कैसे मुंडारी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कैसे किया जाय? मुझे तो मंडारी से हिन्दी अनुवाद करना सरन्डा के बड़े बड़े शाल वृक्षों पर चढ़ने के सदृश्य लगता है। प्रत्येक वृक्ष व घांस–पूस का अर्थ बैठाना असंभव सा प्रतीत होता है। वैसे जैसे कि मैंने "मुंडा होन" जुनास कन्डुलना के कविताओं का मुंडारी हिन्दी अनुवाद किया।

आजादी के पूर्व भारत में लिखी गई कविताओं का अनुवाद करना प्रत्येक जन के लिए एक लालकार है। लालकार भरे जोखिम को किसी ने अनुवाद करने का बीड़ा उठाया नहीं, विशेषकर मुंडा होन जुनास कन्डुलना व लौरेन्स सिलास हेमरोम की कविताएँ। त्रूटियां अधिक, अनुवाद में, पर दर्द तो दर्द ही है। उनके दर्द को भला मैं कैसे अनुवाद करता। मैं तो उस विशाल चट्टान के नीचे और वृक्ष के छांव मे अनुवाद करने में जो कमियां रहीं उसे क्षमा चाहता हूँ।

अनुवाद अर बलएअन

जियङ बुड़िया कोअः किता गलङ आद ततङ हड़म कोअः बयर ढेरा, ओको पड़व–सिखावेन तन सेपेड़ेद्–हपानुम, बुगि लेका गलङ अए सरियना, इनिःगे मुंडा ते दिकु जगर रे अनुवाद बुगिलेका सरि दड़िया। कअ रेदो चिकिद् कोअः सुतम गलङ चि तेङ बुगिन नोः ते उरूमेम। ने दुरङ को मुंडा ते हिन्दी रे अनुवाद नङ इसुइङ बलए जना। इमिन रेओ होड़ोको तअः तेबअः का मेनतेङ मोने केटेः केदा। जअरिकाइंग् अनुवाद अकदा। अनुवाद कोरअः शब्द को दड़ाँ इसु बलए गिआ। बुरू–बेड़ा, दरू–कोतो–सकम बहाको ओको होड़ोए सला उरूम दड़ि तननिः इनिःगे होड़ो जगर रेअः शब्द को मजा लेका ए सला दड़ि तना। ओड़अः बइतन रे ओकोन कांड–बताको, ओकोतअः मजा लेका दोहोःअ, मुतुल को मजा लेका जनव नङ तइना एनका गे होड़ो जगर को अनुवाद रे लगातिङअः। दिकु जगर रे, जे मेनअःकन शब्द को मेनअः अकोअः जगर रेअः शब्द को ना हेके। दिकु जगर उड्डुः लेरे दो सुनुम–बुलुङ अकरिङ तनअः। ओकोन होड़ो जगरतन निः सुनुम–बुलुङ, किचिरि ओड़ोओ खितिहार कोअः खितियाकद् चीज–वसुत कोए सरितना, इनिः बुगिते बुगि लेका कजि को पईला रे भैराव दड़ि तना।

हे हगा–ओड़ओ मिसि को। खिति–बति को कमि तन होड़ो को अपन जगरएते एटअः जगरको अनुवाद लेमे मेने रे बुरूरे रकब् लेकागी अटकारोःआ। सहन–सकम तन कुड़ि होन कोएते सला पिति रेअः सेंड़ॉ इतुन लगातिङअः। ओकोनिः मजा–मजा, सहन–सकम, रेद्–रानु को सला उरूमतन निः मजा लेका ते एटअः जगर रे मेनअः कन शब्द को होड़ो जगर रे बुगि लेकाए दोओ दड़िया। होड़ो जगर रेअः जगर, बकंड, शब्द को दिकु जगर, अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत जगर कोरे बनोःअकना। एना ते अनुवाद बलए गे अटकारोःअ। उदाहरण दो, हड़ा–हुड्डु, रगड़–रूगुड़, लोदोब्–लोदोब्, गिदि–गिदि, हुदु–हुदु, रगोड़–पगोड़, बोएज् ओड़ोङ, खुलसु–चपद्, तिका–चपद्, तिका–सेरेद्, दुब्जलद्, सिड़ॅए–सोड़ोंए, कुरूमुटु, कोकोरोम्बो, गोरगोरा, खसखसा ने लेकन शब्द को अनुवाद बलए गे अटकारोःअ। सहन मअः फाड़अः तन लोओः चाईलअःए बईकेदा। अनुवाद लेरे चिलिका? दिकु ते जगर लेरे लकड़ी फाड़ते हुए नुकीला टुकड़ा बनाया। बिइंग् अयअः कचूराए बोज् ओड़ोंग् केदा, अनुवाद बलए

गिया। सॉप अपनी केंचूल निकाल बाहर कर दिया। इमिन रेओ अनुवाद बुगि लेका बनोःआ। चिअः चि बिइंग्अः तिः बनोःआ। एना ते निकाल बाहर कर दिया मेनेअः बुगि लेका कअ अनुवाद नमोः तना ।

अइंग मुण्डा जगर रे ओलाकद् बर सेंड़ाँन होड़ो किनअः गमुइदि, दुरङ, इयम को अइंग् लेकाइंग् अनुवाद केदा। ओकोन दुरङ–गमु को बुगि लेकाइंग् अटकर केदा, एनाकोइंग् अनुवाद मेनदो आँवगे बगिकदा,जे मा जे होड़ोकोतअः तेबअःका। चिअःचि नअः दो अंग्रेजी आद् हिन्दी जगर ते पड़न तन सेपेड़ेद्–हपानुम को बा'रि को नमोः तना। होड़ो जगर ते ओलतनको रानु बइ लेका बा'रि मेनअः कोआ। अइंग्अः पतियर मेनअः चि ने होड़ो जगर रेन कवि किन चिनअः अकिनअः समाज रेअः कजि किन सनङ तना। ने अनुवाद रेअः कविता रे नमोः तना। आग्नेय चि होड़ो जगर तेन होड़ोको ओनोल ते कअ मेनदो दुरङ लेका ते अकोअः उनुसकुर को उदुब् तना। ने कविता चि दुरङ–गमुको भारत दिसुम रेअः आजादी सिदा रेअः दुरंगको तनअः। मेनदो इसु तयोम ते नेअः को रोमन लिपि ते हिन्दी लिपि रे ओल रूअड़ अकना।

एनका गी सिलास लौरेन्स हेम्बरोमअः दुरङ को मेनअः कना। सिलास हेम्बरोमअः ओनोल को हुड़िङ गिया मेनदो हुड़िङ समय रे ''सनङ'' पत्रिका ओड़ोङ लेदा । एना रे ओनोरोङ आद सनङ नुतुम दुरङ–गमुको ओड़ोङ तइन केना। इनिःअ' नाटक चि चलिता इनुंग रे ''इपिल'' ओड़ओ कहानी रे रूअड़गिअको'' मेनते ओनोल नेल नमाकना। मेनदो एनाको, तयोम ते अइंग्अः तिःरे कअ तेबअः कना। हॉ एन तयोम ते ''होड़ोपैथी'' नुतुम ते मुण्डा होड़ोको रेद्–रानु मेनतेए एयोन जद को तना। असरा मेनअः चि ने सेड़ॉन होड़ोकिनअः हिन्दी ते अनुवाद कद् तेयअः जरूड़पे उड्डुः तेबअःएअः।

सिरिमायन जुनास कन्डुलना "मुन्डा होन"

सिरिमायन जुनास कन्डुलना "मुण्डा होनअः" जनम ई. सन 1922 रे होबा लेना। तपकारा जपअः, हातु बन्डअःजयपुर रे जनम सन 21 फरवरी 1922 रे होबा लेना। 21 दिन तयोम ते, तोरपा रोमन काथोलिक मिशन हाता रे 12 मार्च 1922 ई. रे स्नान होबाजना।

गेल मिद् सिरमा याने ग्यारह बरस तयोम ते रोमन मिशन लेकाते दृढ़करण 06 मई 1932 रे नम केदा। एन तयोम अयअः पड़न रेअः लअः सेंड़ाँ ते संत जोन्स हाई स्कूल ते मैट्रिक पास केते जेस्वीट रोमन फादर बइएन मेनते ओड़ोः कलकत्ता संत जेवियर्स कॉलेज रे साइन्स विषय इदि केते, पड़वेन जना। टुरा–टपर रन्डी बुड़िया होन मेनते गोमके को रोकोम रेअः दोस ते लोटा किःअको, रेंगैःरबङ लेका ते नम जन गुनहा को अयअः दुरङ रे दुरङ जमा तदा। होड़ो दोरा रेअः होराते अएः तेगे ओड़ोङ गिड़ि जनए। एनतयोम ते 15 फरवरी 1949 रे कडंगलोया रेन सुगड़ दुलड़ दंगड़ी मरियम सलोमी लोः ए अड़ॉदियना। 23 मई 1956 रे टी.बी. बीमारी ते रोमन मिशन मंडार हॉस्पीटल रे बंगाई जना। बंगाई जन होड़ोसेड़ाँ चि चेंटा लेका ते इनिःके अयअः ओड़अः चि डेरा मुंडा कोचा पत्थलकुदवा कअ आउ केते कांटा टोली, रॉची रेअः रोमन मिशन मंसड़ा रे तोपा गिड़ि किजा को, अयअः एंगा तेयअः तोपा रेगी। होड़ो कजि चि नअःओ इनिःअ तोनोपा ते सेपेड़ेद दुरङ रेअः सड़ा को सिरमा सिरमा कोरे अयुम कतेओःअ।

इनिःअ ओनोल साहित्य :– इनिः लोओःते कमि तइन केन संगी होड़ो को कोअः जगर चि जॉन चीजगे नेले लोओःते दुरङ–गमुइ बई जद् तइन केना। इनिःअ ओनोल को नअः जकेद् "सेपेड़ेद् दुरङको ओडोः एटः ओनोलको" मेनते बा'रि नमोः तना। चलिता इनुङ रे याने नाटक रे "अलेअः ओड़ाः" ओड़ओ एटअः ओनोल दो कअ नमाकना। इनिःअ संगी कोरे तोरपा रेन मरि परचार जोहन तोपनोः, संगी पसकल कोनगाड़ी, पीटर पौल हेमरोम कसम्बर, तोरपा। लंगड़ा हड़म मरटिन सुरिन बारू टोला, कुलबुरू, फिलिफ गुड़िया कोनेरा, तपकारा, नअः पलामू सिन्धुरवा। हुड़िङ बाउते बेनेदिक्ट कन्डुलना, जोरोबड़ी, फा0 अन्द्रेयस डिफराईन कुद्दअः, सिरिमायन गोमके फा0 मरटिन तोपनोः, मेनस राम ओड़ेया बुरूमा, सरवादा, ओड़ोओ एमन एमन को तइन केना। निकुअः नुतुम ओड़ओ गे मेनअः मेनदो नअः अइंग् रिड़िङ तना।

इनिःअः होनकोः–सिदा उतर कोड़ा होन मइनन सेरेंग् कन्डुलना, तयोम कुड़िहोन सेतेंग् आद् तयोम उतर मिसि सिबिल कन्डुलना। इनिःअ ओड़अः होड़ो किन नअः अयअः जई होनको लोओः राँची, कुम्हार टोली रेकिन तइन तना।

लेका	दुरंग	गीत न.	हिन्दी	पेज न.
01	नेलेकन दड़ि	62	ऐसी समर्थ	1–2
02	जिनिद इकिर हुअंग्	72	जीवन की गहरी खाई	3–4
03	तेअरकनाइंग्	70	तैयार हूँ	5–6
04	अम अइंग्अः कुड़मरेमा	34	तुम मेरे वक्ष स्थल में	7–8
05	काइंग बगिमा	17	नहीं छोड़ूँगा	9–11
06	पेड़ेःअन दंगड़ाको बिरिदा	23	समर्थवान यवन	13–14
07	नगपुर मेनअःमा	35	नगपुर हो अतः मैं	15–16
08	मिमियद् नगपुर मुण्डा होनको	60	एक एक मुंडा बच्चे	17–18
09	देला देला बिरिद्पे	61	आइये आइये उठिये	19–20
10	सरति गति आदिवासी	29	सच्चा साथी आदिवासी	21–23
11	ओते अदोः तना	12	भूमि लूटा जा रहा है	25–26
12	एदेल बालेकाए बा तना	25	सेमल फूल के जैसे	27–28
13	अलोबेन बोरोया	33	भयभीत मत होइये दोनों	29–30
14	मिंडि मेरोमको	02	भेड़ वा मेमेने	31–32
15	नेवा दरू	03	सरीफा पेड़	33–34
16	पबिता दरू	06	पापया पेड़	35–36
17	एदेल दरू	08	सेमल पेड़	37–38
18	बिंदि दरू	06	एरन्ड पेड़	39–40
19	गड़ा कुदा कोचा कोनासी	22	नदी सुरख का जामुन	41–42
20	कटंड़ा दरू रेअः जो	26	कटहल पेड़ का फल	43–44
21	सरति गति अदिवसि	29	सच्चा साथी आदिवासी	45–46
22	कमि लगनकाले मेनते	36	काम करते थक जाएँ के ि	48–50
23	सेनोःतनाकिंग	50	जा रहें हैं	52–53
24	उरिःगुपि कोड़ाको	51	बैल चरवाहे युवा	54–55
25	झरखण्ड दुलाड़इपे	10	झारखंड को प्रेम कीजिये	56–57
26	बुरू–बिरको होरा सेसेन	44	पहाड़ पर्वत जाने का पथ	58–59
27	रचा रे जोजो दरू	52	आंगन में इमली का पेड़	60–61
28	हिलिम दोरे मई	73	भाभी तेरा मइया	62–63
29	जिनिद् गोनोएः	66	जीवन मरण	64–67
30	बिउरअते उपुन कोना	40	चारों दिशाओं से	70–72
31	बिरसाअः दुनुब्	34	बिरसा का बैठक	74–76
32	जिउ कोलकोल लोकोद् केना	41	व्यथा व्याकुल मन	78–79
33	का नेलोः पेड़ेः	42	अदृश्य समर्थ	80–81

लेका दुरंग	गीत न.	हिन्दी	पेज न.
34 हातु गेना दरूको	06	गांव बगल का पेड़	82
35 एला सहर हिजुःमें	08	आ तीर	82
36 गड़ाइंग् तोलएअ	04	नदी बांधूँगा	83
37 हिजुःम रेदोम, बोलो रेदोम बोलोमे	09	आना है तो आ	84–85
38 एला हो अरजा कोड़ा	59	आओ हे अरजा युवक	86–87
39 अःसर तिः रे सब्एम	35	तीर धनुष पकड़	88–89
40 चिलकम सेरेदिइआ	15	कैसे रौंदोगे मुझे	90–91
41 अइंग् अउरिंग गोजोः रे	45	तब तक मेरी मृत्यु	92–93
42 चिकाएअमे तम ?	07	क्या करोगे तब	94
43 निदा–सिंगि रूगुड़–रूगुड़	26	दिन रात किरकिराती	95
44 चेंड़े अटा कोड़ा	20	चिड़ियां फँसाने वाला यवन	96–97
45 सेपेड़ेद्	16	यवन	98–99
46 बगितुकादिआम	15	छोड़ चले तुम	100–101
47 इसुगिंग् दुकुतन	13	अत्यंत दुःखित हूँ मैं	102–103
48 जेताए काको नेलमेरे	18	जब कोई तुम्हें ना देखे	104–105
49 जिमतु दरू	05	जिमतु घांस	106–107
50 बनोः जनाइंग	00	बेकार हो गया मैं	108–109
51 इकिर रेअः इकिराएते	25	गहरी खाई से	110
52 ओह होरे सेपेड़ेद, नेलकेम ते	22	ओह! युवा देखकर तेरा करूणा	111
53 जिनिद् मरंग हंगि र	00	जीवन के गहरी खाई में	112–113
54 एंगा मेनतेंग होनोर तनाइंग	00	माँ के वास्ते घूम रहा हूँ मैं	114–115
55 मोनतइंग्दो	23	मन मेरा	116
56 हए होनइंगदो	24	ओह ! मेरे बच्चे	117
57 अइंगदोइंग सेनोःतन	29	मै तो जा रहा हूँ	118–119
58 दुलाड़ सड़ा	30	प्यारा मधुर आवाज !	120–121
59 चिलेकन जुनुल	24	कैसे प्रकाश	122–123

लेका	दुरंग	गीत न.	हिन्दी	पेज न.
01	गोवरि	01	वंदना	125–126
02	उलि दरू	02	आम का पेड़	127
03	ओनोरोङ आद् सनङ	03	गुंजन व अभिलाषा	128
04	सनङ मेना रेदो	04	अभिलाषा हो तो	129–130
05	चिलिकालङ	05	कैसे हम उठें	131–132
06	अञदोञ	06	मैं तो	133
07	तिःइञ	07	हाथ मेरा	134
08	गितिःअञ	08	सोऊँगा मैं	135–136
09	देला तो कोरेमा	09	आ तो किधर हो	137–138
10	सिंगितम ए हसुर तना	10	सूरज तेरा ढल रहा है	139–141
11	चिलिकम जीदेना	11	कैसे जीओगे	143–144
12	दिसुम एंगाअः रनअः	12	मातृभूमि की करूणा	145–147
13	ओड़ाँतन दिसुम	13	विनाश होता देश	149–150
14	कोरेञ सोअब् मेआ	14	कहां मैं तुम्हें रखूँ	151–152
15	बिरियञ दोड़ङ ए गिःआ	15	बांधनों को तोड़ डालूंगा ही	153–154

नेलेकन दड़ि

नेलेकन दड़ि एमअइंग्रेमे, सिरिमा पेड़ेः, एहो !
नगपुर मपरंग् बुरू तुलंग्लेरेंग् दुपिलेए लेका !

ने सेंड़ॉ पेड़ेः दड़ि ओमअइंग्मे !

नेलेकन सनंग् एमअइंग्रेमे, सिरिमा पेड़ेः, एहो !
नगपुर मपरंग् सेरेंग् सनंग्लेरेंग् लेअंग्एलेका !

नेलेकन कटा एमअइंग्रेमे, सिरिमा पेड़ेः, एहो !
नगपुर मपरंग् गड़ा तड़ोमलेरेंग् परोमेएलेका !

नेलेकन तिःकिंग् एमअइंग्रेमे, सिरिमा पेड़ेः, एहो !
नगपुर मपरंग् दरू चुन्डुल लेरेंग् लकुड़ेलेका !

नेलेकन बयर एमअइंग्रेमे, दुलड़रेअः, एहो !
बिररेअः मिमियद् दरू बदिलेरेंग् सोतोःए लेका !

ऐसी समर्थ

ऐसी समर्थ दे! मुझे, सर्वशक्तिमान ईश्वर,
कि मैं, नागपुर के विशाल पर्वतों को हाथेली पे
उठाके सिर पर ढो सकूँ।

ऐसी बुद्धि, बल और शक्ति प्रदान कर मुझे.

ऐसी इच्छा दे ! मुझे, सर्वशक्तिमान ईश्वर,
कि मैं, नागपुर के विशाल चट्टानों को अपनी आकांक्षा से गायब
ओझलअंतर्ध्यान, अदृश्य, कर सकूँ।

ऐसी पद प्रदान कर मुझे, हे सर्वशक्तिमान ईश्वर
कि मैं, नागपुर के विशाल नदियों को लंघके पार कर सकूँ।

ऐसी हाथ दे मुझे, सर्वशक्तिमान ईश्वर,
कि मैं, नागपुर के विशाल वृक्षों को इशारे से ही झुका सकूँ।

ऐसी प्रेम की रस्सी दे मुझे, सर्वशक्तिमान प्रेमी ईश्वर
कि मैं वन के एक एक वृक्षों को, समेटकर सजा सकूँ।

जिनिद् इकिर हुअंग् राग : सेपेड़ेद्

जिनिद् इकिर हुअंग,
बोरोअन गड़ा चिलकाइंग् परोमअ ?
परोमनंग् देंगाइंग्मे एअंगा
तुलंग्किंगते, सिपिंग्किंगते,
परोममिइंगमे हुअंग दो!

पाप बोंगा बिइंग् को
लेंगेंनतन, अयुर–तयोम तंड़ितन
बोरोएअइंग् गति बेगर एअंगा
हम्बुद्किंगते, गुंगुद्किंग्ते
हरदुगिइंगमे बोरोएते!

पाप सएतान कुलाको
खुड़िलतन, बिउरतेको सुसुन तन
बेरोअइंग् गति बेगर, एअंगा!
हम्बुद्किंगते, गुंगुद्किंगते
हरदुगिइंगमे बोरोएते!

जीवन के दुर्बोध गहराई

जीवन के दुर्बोध गहराई में
भयावाह खाई को, कैसे पार करूँ ?
बेड़ा पार के लिए मदद कर माँ!
उठाकर, हाथेली पे लेकर बेड़ा पार
कर दे दुर्बोध खाई से मुझको!

कु–कर्मी, भूत–प्रेत और साँप
पेट के बल रेंगते हुए आगे–पीछे फैले हुए हैं।
डरभय लगता माँ, संगी बिना!
पकड़कर गोदी करते हुए लगा दीजिए बेड़ा पार,
बेड़ा पार, भयावह से मुझको!

कु–कर्मी भूत प्रेत और बाध
उछालते हुए, चारों दिशाओं में नाच रहे हैं।
डरभय लगता है माँ, संगी बिना!
पकड़कर गोदी करते हुए लगा दीजिए
बेड़ा पार, भयावह से मुझको!

तेअरअकनाइंग्

उदुब्तमे तेअरअकनाइंग्!
चिकनअःइंग् रिकाएअः मसि ?

अमदो जुलतन सरदार! ओतोंग्माइंगे्!
अमअः दोया दोया,
अमअः मंडा मंडा सेनेअइंगे्!

जिउ सेनोः, होड़मो अदोः!
कागिंगे पतिअ, मसि!

बुरूम मेने, बुरूइंग् सेना!
चुटिरे रकबाइंग्, मसि!

गड़ाम मेने, गड़ाइंग् सेना!
हुअंग्रे हदुड़ेनाइंग्, मसि!

जनुमकोएओ अमअः नतिन!
जोमएअइंग्, उद्एअइंग् मसि!

तैयार हूँ मैं

आज्ञा दीजिए तैयार हूँ मैं,
क्या करूँ? क्या नहीं? हे प्रभु!

तुम तो जलते हुए अगुवा हो,
मैं तेरा अनुकरण करूँगा,
मैं तेरे पीछे–पीछे,
तेरे पद–चिन्हों पे चलूँगा।

प्राण जाय, देह भी जाय !
नहीं छोड़ूंगा, हे प्रभु !

पहाड़ बोलो, पहाड़ पर जाउँगा !
चोटी पे चढ़ जाउँगा, हे प्रभु!

नदी बोलो, नदी में जाउँगा
खाई खोह में उतार जाउँगा, हे प्रभु !

काँटों को भी तेरे वास्ते!
खाकर! निगल जाउँगा, हे प्रभु !

अम अइञअः कुड़मरेमा

अमअइञअः कुड़मरेमा,
अमअइञअः इहिमरेमा,
अमअइञअः सुरूद्रेमा,
बिर तोअ बा लेका,
तरल निरल लिउड़ेकेन,
लेओनेकेनाम निदा–सिंगि।

अम पहम–पहम,
बुरू गेना दुरंग्–दुरंग्,
गोएःकोःगि सनाइञा।

अम दुरंग्–दुरंग्,
गड़ा गेना पहम–पहम
सुर गोएःएन सनांइञा।

अम नेनेल–नेनेल,
बड़ि दरू कोतो कोरे,
हका गोएःएन सनांग्इञा।

गतिगिलंग् तइना,
निदा सिंगि हमबुद् गुंगुद्
मिद्रे लंग् सबेनअः।

तुम मेरे वक्षस्थल में हो

तुम मेरे वक्षस्थल में हो
तुम मेरे कलेजे हो!
तुम मेरे दिल में हो!
वन के कोरोया फूल सा
सुन्दर से अतिसुन्दर
चमकती–धमकती हो, निरंतर दिन–रात!

तेरी याद की चिंता में,
पहाड़ों की तराई पे गीत, गाते रहता हूँ।
और मर जाने की इच्छा होती है!

तुम्हारी याद में गीत, गाते गाते,
नदी तट पे सोचते सोचते
पानी में डूब मर जाने की इच्छा होती है!

तुझको देख देखकर,
बरगद वृक्ष की डालियों पे
फांसी होने की इच्छा होती है!

प्रेमी–प्रेमिका ही रहेंगे,
दिन–रात लिपटे हुए ही
एक दूसरे को पकड़े हुए एक ही में रहेंगे।

नहीं छोड़ूँगा :

नदी–नालों से रेखांकित देश,
पहाड़ों के हार माला से श्रृंगारित देश,
वृक्ष के पत्तियों से घूँघटा देश
प्रणाम करता हूँ मेरा देश, तुम्हें नहीं छोड़ूंगा।
महिमान्वित करता हूँ मेरा देश, तुम्हें नहीं छोड़ूंगा।
प्यार करता हूँ देश मैं, तुम्हें मैं नहीं छोड़ूँगा।

नदी–नालों में मच्छलियाँ अठखेलियां कर रहीं हैं,
पहाड़ों में बाध, भालू और सियार के साथ
पेड़ के पत्तियों पर चिड़ियाँ गीत गा रही है।

पहाड़ी के तलहटियों पर गाय चर रहीं हैं।
टीलहा–टका–टुकू पर भेड़ बकरियों के साथ,
छोटी सी, लड़की गीत गा रही हैं।

अंगन में चटाई बिन रही है
गंदुर गढ़ा में सुअर के बच्चे और मुर्गी बच्चियां
एक दूसरे को प्रणाम करते हुए झगड़ रहें हैं, पता नहीं ?

वन पतरा के किनारे मैंने जोत कोड़ किया,
घर में एक पायदान गहरे पानी में,
और दो पत्ते सब्जी के साथ माँड–भात के लिए।

लाह–महुँआ ढोने वाले
चढ़ाईदार सरबोः की घटियों में अदम्य साहस से हाँफते हुए,
अपनी अदम्य शक्ति को तौल रहे है, युवक युवतियाँ।

गुंगु पत्ता इकाठ्ठा करने चले हम दोनों
कोमल पत्ता घने जंगल के खाईयों के नीचे
बिक्री के लिए बाजारों में एक मुट्ठा, चौवानी टका के लिए

गोड़ा धान पक कर तैयार हुआ है
किसी प्रकार गिरते पड़ते पहुँचाया हूँ मैं
मांस–मदिरा कर रहा हूँ नया खानी के दिन।

माघ–पुस का महीना पहुंचा है
खलिहानों में धान वुक्ष की अटियां खड़ी है,
बुढ़ा आदमी रक्षा कर रहा है,
कुम्बा के पास टुकुर–टुकुर।

चटाई में भरे–पूरे बच्चे मेरे
रात को चटाई के नीचे पुआलों में,
सोते हैं सपनों में मीठी–मीठी नींद।

देख देखकर चिन्तित हूँ
दिल मेरा इमली पत्ती के जैसे
और नदी के जीमतू घांस व
नागरमोथा घांस के जैसे कँप रहा हूँ।

पेड़ेःअन दंगड़ाको बिरिदा :

नेल होरा तनए जनव, एंगाइंग्दो,
हिजुःपे, हुंडिनपे ! सिरिमा सिइंग्बोंगा,
दिसुम एंगा रानिअः, तेलेंगाबु बइएना।

नगपुर बिर बुरू कोएते,
पेड़ेःअन दंगड़ाको बिरिदा,
नगपुर बिर–बुरूकोएते।

लएः रेंगेः, दअः तेतंग् कोएओ,
सिरिमा जेटे, ओते लोलोएओ,
दिसुम नंग् कअको सरिअ।

बइरिको दुसुमन कोएओ,
लड़ाई रे कटा लतर कोअको,
हरतिंग् रअः नुतुम बनोःआ।

समर्थवान युवा उठ खड़े होंगे

नागपुर के पहाड़–पर्वत कंदराओं से
समर्थवान युवा उठ खड़े होंगे
नागपुर के पहाड़–पर्वत कंदराओं से।

बाट जोहती है हमेशा, मेरी माँ!
आइये जमा होइये ! सर्वशक्तिमान सृजनहार
मातृभूमि को बनाएँ हम रानी, और हम बनें सिपाही।

भुख बुभुक्षा प्यास और परेशनियों को
आकाशी गर्मी, कड़ाके की तपस को
देश और धरती के लिए न्योछावर करेंगे।

बैरी और दुश्मनों को भी
युद्ध में पैरों तले रौंदेंगे,
और पराजित होने का नाम नहीं लेंगे।

नगपुर मेनअःमा

नगपुर मेनअःमा मेनतेंग् जीद् तना,
हए ! एंगाइंग् मेनअःइअ मेनतेंग् सयद् तना ।
अइंग्एते हुपुड़िंग् को, दादा, दुलाड़,
दादाएअकोइंग् साँयद् इकिर तना।

ओ चिमताइंग् सेनोःअ ! ओ चिउलाइंग् गोजोःअ।
देलातो गड़ा तोपाइंग् में।
गोजोः सिदारे, हुपुड़िंग्कोइंग् मेताकोअ,
एला तोरे, दोलातोरेंग् सुतुः इदिपेअ,
बुगिन होरारे !

बिर–बुरू दिरिरेंग् निरउकुन तना,
गड़–डोड़ा सड़गिरेंग् उमसुकुन तना।
सरना सके सरजोम, देला! देला !
देलाएअकोइंग् सुरून–उमबुलतना ।

मयंग् बोतोःए बोंडोल मेनतेंग् नेलतना,
लहंगा लिजअः सुपिद् मेनतेंग् होरो तना,
अइंग्एते हुपुड़िंग् को, मंडि दा'गी
मंडिअको, कुड़म दोपोलकेना ।

सिइंग्अड़अः सकम मेनतेंग् कमितना,
पुटुकल पतड़ा मेनतेंग् दड़ि तना,
कुड़ि हुड़िंग्, मई हुड़िंग्को, साड़ी ददा
साड़िअको, इहिम लिपिर केना।

नगपुर हो

नगपुर हो इसलिए मैं जी रहा हूँ!
हाय ! माँ है, इसलिए मैं साँस ले रहा हूँ
मुझसे छोटे भाई–बहनों को, भाई का प्यार,
बड़े भाई कहते हुए दिल से सांस निकल रहें हैं वे।

ओह ! मैं कब जाउँगा, ओह ! मैं कब मर जाउँगा !
आ कब्र ! आ मुझे तोप दे !
मृत्यु के पूर्व, अपने छोटे भाइयों को कहूँगा,
आऔ मेंरे, चलो मेरे, तुम्हें साथ ले चलूंगा, अच्छे रास्ते पर!

पहाड़–पर्वत चट्टानों के खोह में छिप जाना चाहता हूँ।
नदी–नाला, के दाह में स्नान कर सुख पाना चाहता हूँ
सरना सके, सखुआ के झुरमुट में आइये आइये,
आइये संबोधित कर छात्र–छाया करना चाहता हूँ लोगों को।

झालदार कमर का करया इसलिए देख हरा हूँ
लहंगा कपड़ा और खोपा, इसलिए सुरक्षा कर रहा हूँ।
मुझ से छोटी बच्चियाँ कहती, माँ ! भात दो,
माँ खाना दो! कहते ही, मेरा दिल कॉपने लगता है।

कोयनार गाछ का पत्ता है, इसलिए काम कर रहा हूँ
पुटकल गाछ का कोपल है, इसलिए शक्ति मिल रही है
लड़की ब्च्ची, छोटी लड़कियाँ, साड़ी भाईया, साड़ी देना,
कहते ही दिल मेरा, काँपने लगता है

मिमिअद् नगपुर मुण्डा होनको

मिमिअद् नगपुर मुण्डा होनकोअ
ने दुरंग् सड़ा दो (2) अयुमोःका,
सीतानइंग् चलुःतनाइंग्, मिमिअद् बलबल दअः,
लिंगितनाइंग् जोरोतनाइंग् मिमिअद् बलबल दअः,
एअंगा, दुलाड़ दिसुम, दुलाड़ते अमअः नतिन।

अमअः गड़ा बोडा तेता दअः रे चोके को,
डेबेलेन लेका, डेबेलेनगी सनाइञा।

बिर–बुरू, दरूमरंग् कोतो रे, लुमंग दो,
तोपोलेन लेका, तोपोलेनगे सनाइञा।

जोला सोंगा तला सड़गिरे रूतु दो,
ओपोरोंग् लेका, ओपोरोंग् गे सनाइञा।

दिरि टुकु, रेबेद् डेरे चोंगोरोद् संगादो,
रेबेदेनलेका, रेबेदेनगे सनाइञा।

लमअः सकम, गुंगु मादे दरूको हंगि रे,
जोपोअरलेका, जोपोअरगे सनाइञा।

अमअः कोयोंग्कोरे, अमअः कुड़मरे दुलाड़ तइंग,
जपअःगेनलेका, जनापअःगे सनाइञा।

एक एक छोटानागपुर के मुण्डा बच्चों का

एक एक छोटानागपुर के मुण्डा बच्चों का
इस गीत की आवाज को सुना जाए।
हल जोत रहा हूँ कोड़–काड़ कर रहा हूँ पसीना का एक एक बूंद
बहा रहा हूँ गिरा रहा हूँ पसीना पानी का एक एक बूंद,
माँ ! प्यार से, प्यारा देश, तुम्हारे लिए।

तम्हारी नदी की मटमैला पानी में मेंढक
नहाने के जैसे, नहाने का मन करता है।

वन–पतरा–पर्वत, विशाल वृक्ष के डालियों में रेश्म का कीड़ा
तागा बंधाने के जैसे, तागा बंधवाने का मन करता है।

बड़ी खाई की तलहाटियों के झारने की ध्वनियों की तरह,
बांसुरी फूँकने और बजाने का मन करता है।

चट्टानी खोह के मोटा जंगली कंद के जैसे,
उसमें छिपकर, खोह में रहने की इच्छा करता है।

लबा लता का पत्ती, गुंगु और बाँस की लम्बी लम्बी उँचाईयों
के जैसे एक दूसरे को प्रणाम करने का मन करता है।

तुम्हारी गोदी में, तुम्हारे वक्षस्थल में मेरे प्रिये
समीप होने का, अतिसमीप होने का दिल करता है।

देला देला बिरिद्पे

देला, देला बिरिद्पे, सेनेअबु बुरू चुटि,
एंगा, दुब्अकन नेल–होरा तनाए जनव,
जुरूइअबु, सुरूइअबु, चिनअःकोए मेताबुअ?
बुरू चुटि एंगा, सेनेएअबु बुरू चुटि एंगा।

दिरि–दिरि, टुकु–टुकु, गड़ा गितिल, हसा हसा
नेआ मिअद् हपेअकन काकालाते, काकालएका,
मुंडा, मुंडा, मुंडा दिसुम नेआ,
दिसुम कोयोंग्रे रिम–सलंगिअबु

गड़ा–बेड़ा, बुरू–जोला, मिमिअद् कोड़ा–कुड़ि
नेआ मिअद् इहिम इकिर, काकालाते, काकालाएका,
मुंडा, मुंडा, मुंडा दिसुम नेआ,
दिसुम कोयोंग्रे रिम सलंगिअबु

हातु–हातु,कोचा–कोचा, मिमिअद् मुंडा डीह रे
मयंग् बोतोःए तोलोंग् टोपोर, हेसअःचुटि ओटंग्ोःका
लहंगा, लहंगा, लहंगा लिजअः नतिन,
नजोम अयुर रे तिंगु डिडिनकाबु

फदा कोपे, थेगा कोपे, हद्पोटा चगड़ कोपे
रेगेः रबंग् होड़ो कोअः, इहिम सुरूद् तेंगेन तनको
सुरू, सुरू सुरूउमबुल कोपे,
हिलंग् दनंग्अकन, दुबि गड़ारे ओकोए? (2)

आइये आइये, उठ खड़ा होइये

आइये आइये, उठ खड़ा होइये, चलेंगे हम पहाड़ के चोटी में,
माँ! बैठी है वहाँ, बाट जोहती रहती है हमेशा,
जमा होंगे हम, शरण देंगे हम, क्या बतायेगी हमें ?
पहाडी तराई की माँ! जायेंगे पहाड़ के चोटी में हमें।

पत्थल पे पत्थल, चट्टान पर चट्टान, नदी बालु और माटी माटी
इससे एकाग्राचित शांत मन से, जोर–जोर से पुकारते हुए,
पुकारेंगे मुण्डा, मुण्डा, मुण्डा देश यह !
देश की गोदी में, उठाकर उँचाईयों पर बैठायेंगें।

नदी तट, पहाड़–पर्वतों की तलहट,
खाई और झुरमुटों में एक एक तरूणायी युवक–युवतियाँ।
पूरे मन दिल की गहराई से, जोर से पुकारते हुए,
पुकारेंगें मुण्डा, मुण्डा, मुण्डा देश यह !
देश की गोदी में, उठाकर उँचाईयों पर उठायेंगें।

गाँव–गाँव के टोले टोले व कोने कोने में एक एक मुण्डा डीह से
कमर का करेया और पूँछ रूपी ध्वजा, हेसअः गाछ के उपर लहराये,
लहंगा, लहंगा व लहंगा कपड़ा के लिए,
डाईन के आगे हम सब खड़ा हों।

लाथ दीजिये, पैरों तले रौंदिये, और काट कर अंतड़ी फाड़िये
गरीब–गुरबों का, मन दिल रेतने वालों को,
शरण, शरण व शरणदाता होकर छात्र–छाया कीजिये,
तूच्छ–घृणित दबा हुआ, गंदुर गढ़ा में है कौन ?

सरति गति, अदिबसि

बुरूकोरे कोआ चि ?
बिर कोरे कोआ चि ?
लताकोरे कोआ चि,
सरति गति अदिबसि !

अदिबसि अदिबसिपे,
मेनेन तन रेदो,
सरति गति अदिबसि,
दे तिंग् नेललिअ,
सरति गति अदिबसि !

हातु–हातु अपंगिर,
एपेरंग् बा सुड़ा तना !
चिकातनए अदिबसि ?
सोया–सोअन तनाए ,
इति गति अदिबसि !

झरखंडा, झरखंडापे मेनेतन रेदो
मिद् गितिल झरखंडाअः,
काचिपे रेबेद्एअ ?
मिद् गितिल झरखंडाअः !

गोःओए अपे, दुपिलए अपे, चि !
बंड़िअ बुलुंग्, तुड़कु गति, दिकु दसि,
बिइंग्पे असुल तना !
बएला जति, अदिबसि !

हतु–हतु झरखंडाअः, दुलाड़ दुरंग्एपे,
रसिका पापी, किरितान गति,
जति लोटा तना !
किरितान गति अदिबसि !

अपेअः का–मिदेन दुड्डुम सेंड़ाँतेदो,
एन सिबिल झरखंडा,
सेताको जोमें तना,
एन सिबिल झरखंडा !

पुँजिनअपे, मिदेनअपे,
पेड़ेःअन बंदा तोनोल रे,
सुरिःए अपे, बंड़िआ जति,
मअःतुइंग्अपे, मरति गति, अदिबसि !

सच्चा साथी आदिवासी गति

सच्चा साथी आदिवासी
पहाड़ों के जंगलों में हैं क्या ?
जंगल के खोह में हैं क्या ?
सच्चा साथी आदिवासी।

आदिवासी, आदिवासी
अपने को आदिवासी कहते हो,
सच्चा साथी आदिवासी !
देख लूँ उससे एकबार,
सच्चा साथी आदिवासी।

गाँव गाँव, प्रीति रति पलायन,
झागड़ा–तकरार का फूँनगी खिलता है।
करते क्या हो आदिवासी ?
सड़ा–सड़ा गंध देते हो,
है यही संगी आदिवासी।

झारखण्ड, झारखंड कहते कहते हो,
तो एक मूठ बालु झारखण्ड का,
नहीं रखोगे अपनी कमर में ?
एक मूठ बालु, झारखण्ड का।

कन्धे पे ढोते हो, सिर पे ढोते हो क्या ?
बनियाँ नमक, तुरूक साथी का दास नौकर बनकर,
साँप पालते हो !
पागल जाति आदिवासी।

गाँव गाँव झारखण्डी भक्ति गीत गाओ
खुशहाल पापी, खिस्तान साथी,
जाति को उलझन में डाल रहा है,
खिस्तान साथी आदिवासी ।

तुम्हारे एकजूट नहीं होने, और मंद बुद्धि से
वो मीठे झारखण्ड को, कुत्ते खा रहें हैं।
वो मीठे झारखण्ड को।

रूपया–कौडी कमाइये और एक होइये
मजबूती बाँध बानाने के बाद, डूबा डालिये,
बनियाँ जाति को
अंत में तीर से समाप्त कीजिए,
सच्चा साथी आदिवासी।

ओते अदोः तन

ओह रे! दिसुम,
अदोःतन, उयुःतन,
सेनोः तन सेतामोचाते।

हातु–हातु मिमिअद्, मुण्डा पहाँड़को
चिनअः कोपे चिकातन, पड़हा–राजा को।

हातु–हातु मिमिअद्, होड़ो–हगाको,
चिनअः कोपे चिकातन, दिरिबोःको।

होन–कुड़ि मिमिअद् पीटि पिड़ि रे
रकअब्कोपे तुड़कुनंग्, पगल दासको।

ओड़ाःरेदो बनोअः मिद् दनाएओ ,
पीटरेदोए जुताकन, बएला सेंड़ॉ दो।

पापरेको तुपुतन, कोड़ा कुड़िको,
पापगिको धरमएनतन, नजोम किरतानको।

चिनअः किरिंग्–अकरिंग् नंग् कुड़िहोन ?
अखड़ारेम कुलइअः, सेता ओड़ाःते गोंड़ाते।

ख्रिस्तानको मेनेन तन साएतानको,
अपंगिर को उपदेसतन, हए! हए! हए!

सेंड़ॉएपे सेंड़ॉएपे जाएँ दुःकोपे
सुकरी ओड़ाःएते, मुण्डा होड़ोको।

दुनुब्कोरे बिचारएपे, पंचइटकोरे,
चिलेकाबु तिंगुइअः, जॉए मुण्डा खुंटु।

भूमि लुटा रहा है

ओह रे! देश,
भूमि लुटा रहा है, गिर रहा है,
और चला जा रहा है, कुत्ते के मुँह में।

गाँव–गाँव एक–एक मुण्डा–पहानों
क्या कर रहे हो? पड़हा राजा गण।

गाँव–गाँव, एक एक बन्धु जन
क्या कर रहे हो? चट्टनी सिर वाले मुण्डा !

सु–पुत्री एक एक बाजार टाँड़ में
चढ़ाते हो तूरूक के लिए, पागल दास सब।

घर में है नहीं एक दाना भी
बाजार में पहने हो जूता, पगला बुद्धि में।

पाप में ही भिंगे हुए हैं, अपने को युवक–युवतियाँ
पाप ही में धरम–करम कर रहें हैं, डाईन खिस्तान जन।

क्या खरीद बिक्री के लिए युवतियाँ को बाजारों के
अखड़ा में भेज दिया, कुत्ते के घर में।

खिस्तान कहते अपने को, शैतानों !
रति प्रीति में ही उपदेश करते हैं,
हाय,! हाय! हाय!

उपाय खोजिये, उपाय खोजिये!
कोई तो बैठककर अगुवाई कीजिए
सुअर के घर से, मुण्डा आदमियों।

सभा–पंचायतों में बिचार कीजिए,
कि कैसे हम खड़ा करें, कोई एक मुंडा खंभा।

एदेलबा लेकाए बा तना

बिर अकनदल बुरूको बकड़ि,
मरंग् गड़ा परोमरेदो।
एदेलबा लेकाए बा तनाको मेताइःअ,
एदेलबा लेकाए बा तना।

बिरको चिलिकाइंग् परोमअ ?
बिरको चिलिकाइंग् तड़ोम ?
सेन अउलेनाइंगे, नेल अउलिअइंगे,
हमबुद् अउलिअइंगे मेनतेंग् मेनेअः।

बिर चि बुरू काइंग् बोरो तन
कुला बुड़ि तुयुको रेदो,
काइंग् उडुः तन, काइंग् पहम तना ,
गंगुद अउलिअइंग् मेनतेंग् मेनेअ।

जिउको सोबेनअःइंग् ओमएअः
मंयोम सोबेनअइंग् एमें।
कजितनाइंगे मोतनाइंगे,
सिपिइंग् अउलिअइंग् मेनतेंग् मेनेअः।

सेमल फूल के जैसे खिल रहा है

घने जंगल से घिरे पहाड़ के बीच
बड़ी नदी के उस पार,
सेमल फूल जैसे खिल रहा है, कहते हैं
सेमल फूल जैसा खिल रहा है।

घने जंगलों को कैसे पार करू
वन–पतराओं को कैसे पार कर जाउँ ?
जाकर आउँ, देखकर आउँ
गोदी में बैठा कर ले आउँ ऐसा मन करता है।

वन पतरा घने जंगल से डरता नहीं मैं अब।
बाघ–भालू , चाहे सियार, हो
ऐसी मन में डर नहीं, सोचता भी नहीं,
गोदी में बैठाकर ले आउँ ऐसा मन करता है।

मन–दिल सबकुछ दे दूँ
सब अपन खून भी दे दूँगा
मन से ऐसा सोच रहा हूँ
गोदी पे उठाकर ले आउँगा ऐसा सोचता हूँ।

अलोबेन बोरोएअ

होयोबुरेओ, गमाबुरेओ ,
का तुदोःअः, अलोबेनबोरोएअ ,
ने दरू,उम्बुल रे, तइनोःबेने।

मअःबु काको, हेसेबु काको,
का गुरोःअः, अलोबेन बोरोएअ ,
ने दरू, उम्बुल रे, तइनोःबेने ।

लअःबु काको, लमअःबु काको,
का गोजोःअः, अलोबेन बोरोएअ ,
ने दरू, उम्बुल रे, तइनोःबेने।

फदाबु काको, थेगाबु काको
का गोसोःआ, आलोबेन बोरोएअ,
ने दरू, उम्बुल रे, तइनोःबेने ।

दुबअकनोःबेन, हमबुदअकनोःबेन
सुरूअकनोःबेन, अलोबेन बगिअ,
ने दरूचुटि रे सेटेरबेनाए।

भयभीत मत होइये

हवा और आँधी आए, गर्जना बादल बरसा से भी
नहीं उखाड़ेगा, तुम दोनों को भयभीत मत होना।
इस गाछ के छाया–छात्र में रहना तुम दोनों।

काटे हमलोगों को, छलनी करें हमलोगों को
नहीं उखड़ेगा, तुम दोनो, भयभीत मत होना।
इस गाछ के छात्र–छाया में रहना तुम दोनों।

काट–छोप करे हमलोंगो को, रौंदकर पतला हमें करें
नहीं मरेगा, भयभीत मत होना, तुम दोनों
इस गाछ के छाया–छात्र में रहना तम दोनों।

लाथ मारे हम लोगों को, पैरों तले रौंदे हम लोगों को,
नही मुरझायेगा, भयभीत मत होना तुम दोनों
इस पेड़ के छाया–छात्र में रहना तुम दोनों।

बैठे रहना तुम दोनों, जकड़ के पकड़े रहना एक दूसरे को।
परछाइयों में बने रहना, तुम दोनों एक दूसरे को त्यागना मत।
इस पेड़ की चोटी की उँचाइयों में पहुँचाएगा भगवान, तुम दोनों को।

मिंडि मेरोम

मिंडि मेरोम को अतिंग् तन,
सिरमा चेंड़ें को जलतिंग्तन।
दिरि टुकु रे दुबअकन
गड़ा रे हईको बंड़सितन।

तेर! मेरोमको, नेल अउकोम,
बाबाको जोमतना चिदुंग।
नेतेगि इनकु रूअड़कोम,
कारेको दलेबुअः दंग्

अकोदो काकोअ, मिसाएओ का।
अइंगगि एकेला अचुअको,
कागि दंगइंग् रूअड़ा,
जागिसिको रिकाबुदो ।

जूगे नेसेकन रूअड़कोम
ओड़ोः मिसारे अइंग् सेना,
कारेदो हई कड़ाकोम
कागे दंगइंग् एमअमेंअ।

हाई तेगि चिंग् हयातन ?
अलोसिअमें एमइंगअः
गमारिमिलाए सड़ितना।
हतु गेनारेंग गुपिकोअ

सुकुतेम रसिकातना
चडु तूकारे मेनामा
बुरू जोलाकोइंग् दंड़ातना,
कुला लतारेंग् उगुरेना।

भेड़–बकरी

भेड़–बकरियाँ चर रही हैं
आकाश में पक्षियाँ मंडरा रही हैं।
पत्थल–चट्टान के उपर बैठा हुआ
नदी में फँसा रहा है मच्छली।

जा बकरियों को देख कर आ
धान खा रहें हैं शायद?
इधर ही उन्हें लौटाकर लाना
नहीं तो वे हमें डंडा देगें।

जाते वे एकबार भी नहीं,
मुझे ही केवल आज्ञा देते।
नही ही मैं लौटाउँगी,
कुछ भी वे हमें करें।

जा एक बार फिर लौटाकर लाना
और दूसरी बार मैं जाउँगा।
नहीं तो? तुम्हें मच्छली, केंकड़ाँ,
बिलकुल ही नहीं दूँगा।

मच्छली के लोभ में, हूँ नहीं मैं, लोभी!
मत ही देना ,तुम !
बरखा बादल कड़क रहा है,
गाँव के निकट, मैं चराउँगी।

खुशी से उछल रहे हो
चाडू चिड़ियाँ घोंसले में हो,
पहाड़–पर्वत खोज रहा हूँ
शेर के खोह में छिप जाउँगा।

नेवा दरू

बकड़िरः नेवा, ना,
बकड़िरः नेवा, ना,
बकड़िरः ने नेवा दरू, ना।
रोअ लेदाए ओकोए? हरा लेदाए ओकोए?
होरो लेदाए ओकोए?
बकड़िरः ने नेवा, ना।

अमगि चि, अमगि ना, को मेताइञा
होरो लेदम, सुरूलेदम, चुलुकेदम ओमोनजनत,
अमगि चि, अमगि ना, को मेताइञा।

रिमिल, सिसिर, गमा बनोः रे, उमाना,
होरो लेदम, सुरूलेदम, अनुकेदम रेअड़ दाः ते,
बिररेअः बुरूदाः, हेड़ेम सेतेंगते उमाना।

सिम सुकरि, केडा मेरोम, उमाना,
सिदेकेरे, जोमेकेरे, तिगाकेरे, दुलाड़तम दो,
होरोलेदम, सुरूलेदम, हमबुद गुंगुदकेते उमाना।

होरोकेनम, हराकेनम, होरो गोनोंगदो, उमाना,
कम नेलेअ, कम जोमेंअ, कम तेलएअ, जो गि, मेनदो
दरूअते, सकमअते, दाःगि जोरोतन, उमाना।

नेवा पेड़

बगान का नेवा पेड़,
बगान का नेवा पेड़,
बगान का यह नेवा पेड़ को,
रोपा था, कौन ?
बढ़ाया था कौन ?
रक्षा किया था कौन ?
बगान का यह नेवा पेड़।

तुम ही क्या? तुम ही, ऐ माँ! कहते हैं मुझे।
रक्षा किया था, जतनाया था, पटाया था, उग आने के बाद,
तुम ही क्या? तुम ही, ऐ माँ! कहते हैं मुझे।

बरखा बादल, कुहासा, बरखा नहीं है, फिर भी, हे माँ !
सुरक्षा दी, जतनायी, सींची थीं ठंठे पानी से,
पहाड़ी झरना जल से, मीठे जल से, हे माँ !

हे माँ! मुर्गी, सुअर, भैंस, बकरी
तोड़ लेने, खा लेने, रौंदे जाने पर भी, प्यार तुम्हारा
गोदी में रखकर जतनायी, सुरक्षा दी,
जतनायी हे माँ!

सुरक्षा दी थी, बढ़ायी थी, सुरक्षा का मूल्य तो हे माँ !
नहीं देख पायेगी, नहीं खा पायेगी, नहीं पायेगी फूल का फल।
लेकिन पेड़ के पत्ते से, झर–झर गिर रहा है पानी, हे माँ !

पबिता दरू

पबिता, पबिता, पबिता दरू
हतु तला, दुबिगडा गेना,
ओकोएअः पबिता दरू ?

हुड़िंग् हुड़िंग्रेंग नेलेलेदा,
बिंदि दरूतेको चुलु लेदा
सुकरि होनको उगुर लेना।

मरंग् मरंग्रेंग् नेलेलेदा,
हतु सिटिया को पेटेःलेदा,
मिंडि–मेरोम को सिदेलेदा।

हराजनते दरूलेना,
बा जनतेदो जोअकना,
होन हुडिंग्कोदो संगिलतना।

जो जनते तेअर जना,
मोचा उलिदाः जोरो तना,
हतु होड़ो को अरिद्तना।

जो ओमअलेम दुलाड़ दरू,
बाबुतेकोदोको रगेतना,
मइतेकोदोको दुरंग् तना।

ओह रे! पबिता दुलाड़ दरू,
जोकोदो सिबिलअ अमअः दरू,
जोम कुमबुडु को रूकुमेअ।

पापया पेड़

पापया, पापया पापया का पेड़
गांव के बीच, गोबर गढ़ा के किनारे
किसका पापया का पेड़।

बचपन में मैं ने देखा था
एरंडी का पौधा से घेरे थे,
सुअर के बच्चे घूस आये थे।

बढ़ने के बाद जब मैं ने देखा
गाँव के छोटे बच्चो ने तोड़ डाला,
और भेड़ बकरियाँ भी चटकर गई थीं।

बड़ा तो पेड़ बना
लगाया फूल तो, फल लगा,
छोटे बच्चे तो उपर झांक रहे है।

फल लगने के बाद तैयार हो गया
मुँह का लार पानी टपक रहा है।
गाँव के लोग ताक झांक कर रहे है।

फल देना हमें प्यारा पेड़
बच्चे हमारे रो रहें हैं।
छोठी बिटियाँ गाना गा रही है।

ओह रे! पापया का पेड़
फल तो बहुत मीठा है तुम्हारा, पापया पेड़ का।
लूटकर खाने वाले चोर, तुम्हें ऐ! झाकझोरेंगे !

एदेल दरू

ऐला रे एदेल, लेंग लेंग दरू,
होरा गेनारेमा, दरू,
लोयोंग तला रेमा, दरू,
रोएकुड़िको लोसोदएमेअ।

जनुम कोतोअन दरू,
काको दडिअ़मा, दरू,
काकोगि रकबअ, दरू
लंदा–लंदातनम, रसिकातना।

जिलिंग् कोतोअन दरू,
संगिन संगिनएते, दरू,
अरिद्तनाए सलि, दरू,
बाबा सकम लतर तिरूबअमतना।

जेटे लोलोरे, दरू,
सरा दुपिल कुड़िको, दरू,
दुड़ाकेमरेओ दरू,
कुपुल–कुड़िको दुब उम्बुलेनतना।

रंगा बातेमा, दरू,
हातु सिटिअको, दरू
निर इदिअको, दरू
हुड़िंग् कुड़िको बा गुतुनतेअः।

ओटंग् तना तुलम, दरू,
नेलेतनम चि का, दरू,
ओटंग् तनम अमओ, दरू,
दुदुगर मुसिंग गुर बटिमेअः।

सेमल पेड़

आ रे आ, लम्बी उँची, उँची सेमल पेड़
रास्ते के किनारे हो, सेमल पेड़
दोन के बीच में हो, सेमल पेड़
धान रोपने वाली युवतियाँ तुझे कीचड़ करेंगी।

काँटा युक्त डाली सेमल पेड़
नहीं सकेंगे तुझे पेड़
नहीं ही सकेंगे चढ़ने पेड़
अतः हँसते–हँसते लोट–पोट होंगे।

लम्बी डालियाँ वाली पेड़
दूर और दूर तक से पेड़,
देख रह है सलि पेड़।
घान पत्ता नीचे तक झुका हुआ है।

गरमी काल में पेड़
खाद ढोने वाली युवतियाँ पेड़,
धूल डालेंगे, फिर भी पेड़,
मेहमान आयी हुई युवतियाँ,
परछाइयों में बैठकर सुकुन पायेंगी।

लाल फूल मे हो पेड़
गाँव के बच्चे, पेड़
दौड़ जा कर पकड़ेगे पेड़
छोटी किशोरियाँ फूल गूँथ लगाएँगी।

उड़ रहा है कपास तेरा, पेड़ !
देख रहे हो कि नहीं, पेड़ ?
उड़ रहे हो, तुम भी,
आँधी बावँडर, एक दिन तुम्हें उखाड़ गिरायेगा।

बिंदि दरू

अमिन दिनदोइंग् अइञअः अइञअः केद्मारे, बिंदि दरू,
अमिन दिनदोइंग् देला–देलाकेद्मारे बिंदि दरू,
काम नेलइञा अमअः कटा सुबारे, बिंदि दरू,
काम नमइञा अमअः कटा सुबारे, बिंदि दरू,
काइंग् इनुंगअः अमअः कटा सुबारे, बिंदि दरू।

ओकोते तेंग् हिजुःलेना,
अइञअः संगिकोलोःइंग् सेटेरलेना।
अम बिउर–बिउरते, दुरंग्–भजन
कुड़म कुटम–कुटमतन,
चपल चटाकन चटाकनतन।

सुड़ा सकम पेटेःकेते
तोअ सोसोएः लिंगि जोरोकेदा।
उलि दाः लेटोकेते अपिर ओटंग्
होयो गेलिको गुलिको,
सुगड़ डुलिको डुलिको

एरंडी पेड़

इतने दिनों तक, मेरा, मेरा, कहा मैं ने, एरंड पेड़ को
इतने दिनों तक, आ अजा, आ अजा, कहा मैं ने एरंड पेड़ को।
नहीं देख पाओगे, तुम्हारे पैरों के निकट, एरंड पेड़।
नहीं खेलूँगा, तुम्हारे पैरों के निकट, एरंड पेड़।

किधर से मैं चला आया,
अपने संगी–साथियों के साथ,
भजन गीत, गाते और तुम्हारा चक्कर काटते,
अपनी छाती, पछा और चूतड़ को पीटते सहलाते
हुए हम चले गये।

कोमल कोमल, पत्ता तोड़ कर
दुधिया गाध गिरा कर चुवाये।
लार पानी मिलाकर, हवाई डोली डोली,
सुन्दर डोली, डोली बनाकर उड़ाये।

गड़ा कुदा कोचा कोनासि

गड़ा कुदा, कोचा कोनासि,
अमदो, अमदो, दुलाड़ दअःतेता इनिः, दअःतेता तनाम।
गड़ा कुदा, कोचा कोनासि इकिर रे।

हइ, बिंग्, चोकेकोदो, तब्रूब् दुड्डुम गोएःअकन,
अमदो, अमदो, दुलाड़ दअःतेतानिः, दअःतेता तनाम।
गड़ा कुदा, कोचा कोनासि इकिर रे।

कुदा रेद् पुदुरूसु, तलारेम बिउरेनतन।
अमदो, अमदो, दुलाड़ दअःतेतानिः, दअःतेता तनाम।
गड़ा कुदा, कोचा कोनासि इकिर रे।

दंड़ामइंग् दंड़ामइंग गे,
कागिरेम नेल नमोअः।
अमदो, अमदो, दुलाड़ दअःतेता निः, दअःतेता तनाम।
गड़ा कुदा, कोचा कोनासि इकिर रे।

चपुमइंग्, चपुमइंग् गे,
कागिरेम सब् नमोःअः,
अमदो, अमदो, दुलाड़ दअःतेता निः, दअःतेता तनाम।
गड़ा कुदा, कोचा कोनासि इकिर रे।

दअःदोम तेता तना,
अलोरेम रिड़िंग्बगिञा।
अमदो, अमदो, दुलाड़ दअःतेता निः, दअःतेता तनाम।
गड़ा कुदा, कोचा कोनासि इकिर रे।

नदी तट जामुन पेड़ साँकरा सूराख

नदी तट जामुन पेड़ के साँकरे सूराख के गहरे दाह में
तुम, तुम तो प्यारा, जल निर्मल करने वाला, जल निर्मल कर रहे हों
नदी तट जामुन पेड़ के साँकरे सूराख गहरे दाह में।

मच्छलियाँ, साँप और मेंढक, मृतासन्न सोये पड़े हुए हैं
तुम, तुम तो प्यारा, जल निर्मल करने वाला, जल निर्मल कर रहे हों
नदी तट जामुन पेड़ के साँकरें सूराख गहरे दाह में।

जामुन पेड़ के खजड़ के जड़ी के, बीच में चक्कर लगा रहे हो,
तुम, तुम तो प्यारा, जल निर्मल करने वाला, जल निर्मल कर रहे हो
नदी तट जामुन पेड़ के साँकरे सूराख गहरे दाह में।

खोजूँगा मैं, और खोजूँगा ही तुम्हें, पर मिलते ही नहीं हो,
तुम, तुम तो प्यारा, जल निर्मल करने वाला, जल निर्मल कर रहे हो
नदी तट जामुन पेड़ के साँकरे सूराख गहरे दाह में।

टाटोलना चाहता हूँ मैं, और टालोलँगा ही,
पर तुम पकड़ के बाहर ही हो।
तुम, तुम तो प्यारा, जल निर्मल करने वाला, जल निर्मल कर रहे हो
नदी तट जामुन पेड़ के साँकरे सूराख गहरे दाह में।

जल तो निर्मल कर ही रहे हो, पर तुम मुझको, भूल जाना मत।
तुम, तुम तो प्यारा, जल निर्मल करने वाला, जल निर्मल कर रहे हो
नदी तट जामुन पेड़ के साँकरे सूराख गहरे दाह में।

कंटड़ा दरू रेअः जो

कंटड़ा दरू रेअः जो,
रअःतनए, गतिको नेलकेते हो।
चिअ, चिअ दरू गतिको नेका दुलाडइःअः।

कउअःकोदो सोदाकिःइंग्,
गड़ारे, दुड़ारे, तेरगिड़िकिःइग्में
इमिनरेओ दरू, गड़ारे कामें गिड़िकिःइंग्।

कुमबुडु कोदो हिजुःतन,
लोड़ोतन, गोदेतन बुगिन जोतम।
इमिनरेओ दरू, जेतनअः कामें हसुतन।

बुगिनअः दरू, दो'केमें,
गोःएतन, सोयातन होनको तमअः दो।
चिअः चिअः, दरू रसिकाते कामें होरोले ?

कंटड़ा चुटि रेअः जो,
एंगाते नेलेका बिनति कतिअ,
एला! एला! दरू, बिलिकाते होरो सुरूलेम।

कटहल पेड़ का फल

कटहल पेड़ का फल,
रो रहा है, अपने साथियों को देखकर।
ऐसी क्यों की? उसके साथी पेड़, वैसे प्यार नहीं करते।

कौओं ने चोंच मारा
गढे में, धूल में, फेंक डाला तूने मुझे।
फिर भी पेड़, गढे में फेंक कर नहीं आया तूने मुझको।

चोर आ रहें हैं,
झाँक रहें हैं, तोड़ रहें हैं,
अच्छे अच्छे फलों को तुम्हारा,
फिर भी पेड़, तुझ को बिलकुल दर्द नहीं है।

अच्छे वृक्षों को रख लो,
मर रहे, सड़ रहे, बच्चे तुम्हारे
क्योंकि, वृक्ष खुशी से हमारी रक्षा नहीं करते।

कटहल पेड़ की चोटी वाला फल,
अपनी माँ से प्रार्थना करती है।
आओ आओ पेड़!
दया से परिपूर्ण, हमें सुरक्षा प्रदान कर।

सरति गति अदिबसि

बुरूकोरे कोअ चि? बिरकोरे कोअ चि ?
लताकोरे कोअ चि, सरति गति अदिबसि।

अदिबसि, अदिबसिपे मेनेन तन रेदो,
सरति गति अदिबसि,
दे तिंग् नेललिअः, सरति गति अदिबसि।

हातु–हातु अपंगिर, एपेरंग् बा सुड़ा तना।
चिकातनाए अदिबसि ?
सोया–सोअन तनाए! इति, गति अदिबसि!

झरखंडा, झरखंडापे, मेने तन रेदो,
मिद् गितिल झरखंडाअः!
काचिपे रेबेद्एअ? मिद् गितिल झरखंडाअः!

गोःओएअपे! दुपिलए अपे, चि!बाँड़ियाँ बुलुंग,
तुड़कू गति, दिकु दसि,
बिंग्पे असुल तना! बएला जति अदिबसि!

हतु–हतु झरखंडाअः दुलाड़ दुरंग्एपे,
रसिका पापि, किरतान गति,
जति लोटा तना! किरितान गति अदिबसि!

अपेअः कअ मिदेन दुडुम सेंड़ॉतेदो,
एन सिबिल झरखंड,
सेताको जोमेंतना! एन सिबिल झरखंडा!

पुंजिन'अपे मिदेन'अपे, पेड़ेःअन बंदा तोनोल रे,
सुरिःएपे, बंड़िअ जति,
मअः तुइंग्इःपे, सरति गति अदिबसि!

सच्चा साथी आदिवासी

पहाड़ों मे हैं कि, जँगलों में हैं
खाई खोह में हैं, सच्चा साथी आदिवासी।

आदिवासी, आदिवासी, कहते हो तो!
सच्चा साथी आदिवासी,
चलो हम देख आएँ,
सच्चा साथी आदिवासी।

गाँव गाँव रति क्रीड़ा,
क्या कर रहा है आदिवासी?
झगड़ा तकरार का फूल, खिल रहा है।
सड़ा, सड़ांध रहा है,
क्या यही है, आदिवासी ?

झारखण्ड, झारखण्ड चाहते हो तो,
एक मुट्टी बालु झारखण्ड का,
क्या नहीं रख पाओगे?
एक मुट्टी बालु झारखण्ड का।

ढोते हो, सिर पे उठाते हो, बनियाँ नमक !
तूरूक साथी! दिकु नौकर,
साँप पालते हो! पागल जात आदिवासी !

गाँव गाँव, झारखण्ड का प्रेम गीत गाकर
खुशहाल पापी, खीस्तान साथी
जाति को, दोगला कर रहा है
खीस्तान साथी आदिवासी।

तुम्हारे एक नहीं होने और सू–सुप्त बुद्धि ने,
इस सुन्दर झारखण्ड को,कुत्ते खा रहे हैं।
उस स्वदिष्ट झारखण्ड को।

अर्थिक रूप से मजबूत होइये, एक जुट होइये,
समर्थ रूपी विशाल बॉध बनाकर ,
उसमें डुबा कर ही मार सकोगे?
कटिइये, बींधिइये, बंनियाँ जाति को,
सच्चा साथी आदिवासी।

कमि लगनकाले मेनते

कमि लगनकाले मेनते पोरमेसोअर,
नगपुराम ओमअद्लेअः।

जेटे रबंग् गमा रेओ,
मिद् डुलूः टेनडअः नंग्!

ओते लोलो, होयोरेओ,
कोदे होलोंग् लदे नंग्!

रेंगें तेतंग् लगा रेओ,
सराजोम लटा नंग्!

हटअः हटअः दुलए अले,
मिद् चिपुद् गुड़ई नंग्!

मंडि–चटु सोया तना,
सिइंग् अड़अः सकम नंग्!

झोराकोबु असुल तना,
नई रेको बोंगा बु नंग!

गड़ा गेना कअःसोम लेना,
मिद् बयर बोतोएः नंग्!

मिद् थड़ा अड़अः बिड़ंग्,
सीकेनाइंग् मेनते दंग्!

मोंड़े चटु इलिअले,
बर चटु मंडिअले।

ठिठुरती रातों में,
चटाई के नीचे पुआलों में।

घूड़मुड़ाकर सोये रहें हम, अतः
भगवान तूने हमें दिया, छोटानागपुर !

बाजार टंड़ की दारू भठ्ठी में,
घूस रहा है, चौवान्नी तो!

मॉ तुम्हारी, गई बिटिया, बाजार,
मांडुवा लडू खरीदने।

बाप तेरा, फटा–टूटा गांठ करेया,
बिटिया तुम तो! पहनी हुई हो बंबाई साड़ी !

मॉ–बाप तेरा, अनपढ़–गॉवार
और क्यों तुम? जूता पहने हो?

किस चीज से? हम पालेंगे कैसे ?
एक चट्टाई बच्चे हमारे को !

धनी–मनी महलों में
मुण्डा सुअर के गुड़ा में।

वे तो हैं, नाग साँप!
हम तो हैं, ढ़ोंड़ साँप!

चलो रे, भाई उठ खड़े हों हम!
पहाड़ों की चोटी सम पराक्रमी बनें हम।

सेनोः तनाकिंग्

सेनोः तनाकिंग् डिमकु–डिकुर, डिमकु–डिकुर,
केरेबोरे मइ होनकोलोः।
ओह रे! गुलगुलतन रिमिल रकब्ए!
चिलेकाबु सुरूनअ दाःए गमाए रे,
मिअद्गे चतोम! उमाना!

सेन सेनेटेर सलगा रूगुद्, सलगा रूगुद,
एन रनकब् पटअः टोला।
ओह रे! गिड़–गिड़तन रिमिल सड़िअ!
सिरमाएते सटा–सटातन दाः दो गमाएअ
चिलेका बलाएअ! उमाना!

दुब्जनाको होनको होपोन, होनको होपोन,
काकितेअः कोयोंग् रे!
ओह रे! लुम सोटोकोर एंगाते द
काचि, मा! रबंग् तना नेलका दाः रे,
कारे, बाबु रे! उमाना!

जा रहे है दोनों

जा रहे हैं दोनों, ठमक–ठूमुक, ठमक–ठूमुक
मीठी मीठी किलकारी करते हुए छोटे–मोटे नन्हें–मुन्नों के साथ।
हाय रे! गर्जना करते हुए, बादल चढ़ आया,
कैसे बचेंगे हम? बादल के बरसने से,
एक ही है छाता, ओ माँ!

पहुँचा–पहुँची सलगा झाड़ी–ढालान, सलगा झाड़ी–ढालन
उस चढ़ान के उस पार, पटअः टोला के निकट।
हाय रे! कड़कती गर्जना घटा की आवाज,
आकाश से झमा झम, पानी बरसेगा,
करें कैसे? बहुत कठिन है, माँ!

बैठ गये छोटे बच्चे, छोटे बच्चे और माँ!
अपनी चाची माँ की गोद में।
ओह रे! अत्याधिक भींग गई उसकी माँ,
लग नहीं रहा है, ठँठ क्यों माँ! ऐसी ठँठी बरसात में ?
ना रे, बाबु ना! ओह हे माँ !

उरिः गुपि कोड़ाको

हए! रबंग् हिचिर–बिजिर, दाः सटा–सटा
लुलुंग्तुरंग्कदाको, हए,
हए! रबंग् हिचिर–बिजिर, दअः सटा–सटा।

असर चन्डु टोनंग्बितर, बुरूको चेतन रे, कडरू गड़ा हुअंग हंगि चेतन रे,
मेरोम मेंद् सेता पुटुकुईः, गईको बॉअः
अपिअ कोड़ाको हला! हला!!

बरिअ चतोम, अपिअ कोड़ाको, मियद्गि सेता,
उरिःमेरोम सड़गिको तलारे,
मेरोम मेंद् सेता पुटुकुईः, गईको बॉअः
अपिअ कोड़ाको हला! हला!!

मिंडि मेरोम मेंएः मेंएः गई चुई को बॉअः बॉअः
मर संगि संगिनःएते रूअड़कोम।
मेरोम मेंद् सेता पुटुकुइः, गईको बॉअः
अपिअ कोड़ाको हला! हला !

बैल चरवाहे लड़के

ओह! कितनी ठंठ! उमड़ती–घूमडती झमझम बरसा बादल
मेंड़मेंड़ाये हुए है, ओह हाय!
ओह! कितनी ठंठ! उमड़ती–घूमडती, झमझम बरसा बादल।

असाढ़'सावन–भादो का महीना, वन के भीतर, पहाड़ की चोटियों पे
कडरू दाह की गहरी खाई के उस पार नदी में।
मिमियाती बकरियॉ, कूकुर पुटू, गायों की आवाज बॉअः!
तीन लड़के खुशी से गीत गा रहें हैं, हला–हला!!

दो ही बाँस का छाता, और तीन लड़के और उनका प्यारा एक कुत्ता
बैल–बकरी, पहाड़ी तराईयों में,
मिमियाती बकरियाँ, कूकुर पुटू, गायों की आवाज बॉअः!
तीन लड़के खुशी से गीत गा रहें हैं, हला–हला!!

भेड़–बकरियों का रोना भें–भें, गाय–बछड़ों का रोना बॉअः बॉअः!!
प्रिय सँगी, उस पार की तराईयों से लौटाकर लाना,
मिमियाती बकरियाँ, कूकुर पुटू, गायों की आवाज बॉअः
तीन लड़के खुशी से गीत गा रहें हैं, हला हला!!

झरखंड दुलाड़इपे

झरखंड दुलाड़इपे हो, तुसिंग्इपे,
अपनअः होड़मो रे!

रंगा लेकन बोतोएः, बा लेकन साड़ि,
दुलाड़ सोनोः!
ओ सुगड़ मोन रे निः! झरखंड दो।

समा–समा झरखंड, लचोःरेअः कजि,
होसोड़, होड़ो !
हे सएतान! नेलका जगर बगितमें हो।

गड़ा लेकन बोतोएः,
बिर लेकन मुंगासड़ि, बुरूको,
ए नेलउरूम परचिकिःअ, सिरमासिंग्ते,

ओकोकोरे बमबई, कलकत्ता, दिलि, पटनाएते,
ए कोड़ाको,
अम हयाते, हिजुःअको हो।

लतर कोरेन सिंगको, मंड़कि पटि,
मुंडा दिरि हसा को,
जुरू बियुर बकड़िपे, पढ़ा–पंचको।

जिउ गोटा, मॉयोम इहिम इकिरलोः,
केटेः मोनते,
ए झरखंडि, झरखंड नंग् कमि पे।

झारखंड को प्रेम कीजिये

झारखंड को प्रेम कीजिये, भाई,
और इन्हें हम पहनें, अपनी देह में।

रँगीन सा लँगोटी, फूल सा साड़ी,
प्यारा सा पहनावा!
ओह! सुन्दर मन का, झारखण्ड!

झुठ–मूठ का झारखण्ड, ओठों पे केवल आवाज
धोखेवाज, ठग आदमी
हे विश्वासघाती! इस प्रकार की बातें करना छोड़ दो तुम।

लकीर के जैसे दिखाई देने वाली लँगोटी,
जँगल के पत्ते जैसे दिखाई देने वाली साड़ी
पहाड़ का मुँगा हार माला बनाकर,
इससे पहचानकर, इसे शुद्ध किया ईश्वर ने

बंम्बाई कलकत्ता और दिल्ली पटना से,
और चारों ओर से ये लड़के,
तुम्हारी मोह में चले आयेंगे।

उपर–नीचे, सभी क्षेत्र के
माड़की, मुंडा और सिइंग् मुण्डा
पड़हा–पंच गण, आगुवा
दुश्मनों को रोकने के लिए घेराबंदी कीजिये।

एकाग्राचित, तन, मन, धन व दृढ़ता से,
ऐ झारखण्डी! झारखण्ड के लिए,
अपने को न्योछावर कर दो।

बुरू–बिरको होरा सेसेन

बुरू बिरको होरा सेसेन इसु हमबलअः।

दिरि सेरेंग् रोगोचोगो नमोअ दरू,
केनटेद् जनुम जपुद बोरोअन,
एसेकर गति एकेलातन, बोरो होरो इदिमा।

हेंदे नुबअः, तयोम–तयोम, इअमएम,
दिरि टुकुकोबोंगा लेकाको गोड़ोमअ!
बोरो–सोरोते, निरे सेनेएम, पसेनगे रूमकु झुमुबड़रे।

बुरू तयोम, बुरू समंग नेलएअम,
चपु अड़गुन, हुअंग, हंगि, हनदुड़!
सिड़िगिरकोःते गुलि हुरतंग् कुचुनमे केसेरेमबेद्रे।

बोंगा–बिंग्को, जिलिंग् चकर दरोमेअः,
कुला–कुड़िको, ने जोला रे मेनअःको,
बोरोतनलोः कुरूमुटु रकब्मे, कोकोरोमबोतन।

नेअ नेअको, ने दिनकोरे नेलोः तइन,
सिंगि, मरसल ने दिनकोरे, होकाजन
दुकुतनलोःते रअःतनाइंग् मसि बोदे हिजुःमे।

पहाड़ पर्वत पथ में चलना

पहाड़ पर्वत की पथ में चलना बहुत मुश्किल है।

नुकीला धारदार चट्टान, मिलेगा गाछ,
और भयानक अड़चन कँटीले झाड़ी में,
अकेले साथी, तुझे सँकट से रक्षा करते हुए लेगा।

काली रात्रि, में तुम्हारे पीछे पीछे
शैल–खंड, भूत–प्रेत सँगी के जैसे साथ रहेंगें।
ऐसी समय में, कँटीले झड़ियों में दौड़कर फँस मत जना।

आगे–पीछे सामने देखोगे
टमुड़ते, टटोलते हुए,
खाई, खोह के उस पार ढलान खाईयों में,
फिसलते हुए, गिरते, पड़ते
लूढकते हुए संर्किण पत्थल के खोह में।

प्रेतरूपी, लम्बा चौड़ा साँप तुम्हारा सामना करेंगे,
शेरनी जैसी लड़कियाँ हैं, इस जँगल में,
सहमते हुए झटपट,
चढ़ान में चढ़ाई कर लड़खड़ाते हुए।

यह ये सब, चीजें दिन को दिखाई देने वाला,
सूर्य किरण की भी आना बँद हो गया।
सँकट की घड़ी में रोते विखलते हुए,
तुझे पुकारता हूँ, हे प्रभु, जल्द आना।

रचा रे जोजो दरू

रचा रे जोजो दरू, कुंडम रे कनटड़ा दरू।
नेआदो अपुइंग्को, तताइंग्को, हड़मको,
बइलेद् ओड़ाः, ओह रे! दुलाड़ ओड़ाः।

अइञअः ओड़ाः रे, अइञअः दिसुम रे, नेलकन
दुलाड़ रे चिउलव काइंग् बगिमेअरे।

रचा रे बड़ए ओड़ाः, कुंडम रे टुवर ओड़ाः
नेआदो अपुइंग्को, तताइंग्को, हड़मको,
बइलेद् ओड़ाः, ओह रे! दुलाड़ ओड़ाः।

थलारे खुंटखटि बिउरते रइअतकोदो।
नेआदो अपुइंग्को, तताइंग्को, हड़मको,
बइलेद् ओड़ाः, ओह रे! दुलाड़ ओड़ाः।

सोबेन रेंगेःगिरे, सोबेन किसंड़गिअ।
नेआदो अपुइंग्को, तताइंग्को, हड़मको,
बइलेद् ओड़ाः, ओह रे! दुलाड़ ओड़ाः।

जपअःरे दिरि गड़ा, बिउरते बुरू–दरू।
नेआदो अपुइंग्को, तताइंग्को, हड़मको,
बइलेद् ओड़ाः, ओह रे! दुलाड़ ओड़ाः।

आँगन में इमली पेड़

आँगन में इमली का पेड़, पीछवाड़े में कटहल का,
मेरे बाप–दादा, पुरखों द्वारा बनाया हुआ यह प्रियतम घर।
ओह रे! यह मेरा प्यारा घर !

मेरे घर में, मेरे देश में, ऐसी,
प्रियतम! मैं तुझे, कभी नहीं छोड़ूँगा रे।

आँगन के पास लोहरा का घर, पीछवाड़े में अनथालाय,
यह तो, मेरे बाप–दादा ,पुरखों द्वारा बनाया हुआ,
यह प्रियतम घर।
ओह रे! यह मेरा प्यारा घर!

बीच मे खुटखटटीदार और चारों ओर रैयत।
मेरे बाप–दादा, पुरखों द्वारा बनाया हुआ
यह प्रियतम घर।
ओह रे! यह मेरा प्यारा घर!

सभी कोई गरीब के वावजूद,सभी घनी हैं यहाँ।
मेरे बाप–दादा, पुरखों द्वारा बनाया हुआ,यह प्रियतम घर
ओह! यह मेरा प्यारा घर !

घर के अति निकट शैल स्त्रोत, चारों ओर पहाड़ व पेड।
यह मेरे बाप–दादा, पुरखों द्वारा बनाया हुआ घर
ओह रे! यह मेरा प्यारा घर !

हिलिम दोरे मई

हिलिम दोरे मइ, रंगा सड़ि,
रंगा सड़ि मेनएअ।

चिनअःको अकरिंग्केते, किरिंग् अगुअइअ,
चिनअः सोंग्केते, खेजा–अगुअइअ !

हिलिम दोरे, मइ सोना लोला,
सोना लोलाए मेनएअ।

जिउ चि, अकरिंग्केते किरिंग् अगुअइअ,
मॉयोम सोंग्केते खेजा अगुअइअ!

हिलिम दोरे मइ, रूपा–मुदम!
रूपा–मुदम! मेनएअ!

हिलिम दोरे मइ, सएअ–समिज्!
सएअ–समिज! मेनएअ!

हिलिम दोरे मइ, लुमंग्–जकेट!
लुमंग्–जकेट! मेनएअ!

भाभी तो मइया

भाभी तो! मइया! रंग–रंगीला रंग–रंगीला साड़ी कहती है।
किन चीजों को बेचकर खरीद लाउँगाा,
किन वस्तुओं को नाप तौलकर
एवम् स्वयं को खेजा होकर लाउँगाा क्या ?
भाभी तो! कहती है, मइयाँ!
रंग रंगीला, रंग रंगीला साड़ी खरीद कर लाना।

भाभी तो!मइया! सोना–लोला! सोना–लोला! कहती है।
अपनी दिल–हिद्दय और रक्त बेचखरीदकर लाँगा क्या ?
भाभी तो, कहती है, मइयाँ !
सोना–लोला! सोना–लोला! खरीद कर लाना।

भाभी तो! मइया! कहती है,
रूपा का अँगुठी, रूपा का अँगुठी।
किन चीजों को बेच–खरीदकर लाउँगा मैं,
भाभी तो! तुम्हारी कहती है, मइयाँ!
रूपा का अँगुठी! रूपा का अँगुठी!खरीदकर लाना।

भाभी तो! मइया! कहती है।
साया–सामीज ! साया–सामीज!
किन चीजों को बेच–खरीदकर लाउँगा मैं,
भाभी तो! तुम्हारी, कहती है, मइयाँ !
साया समीज! साया समीज! खरीदकर लाना।

भाभी तो! मइया! कहती है,
रेश्मी जकेट! रेश्मी जकेट !
किन चीजों को बेच–खरीदकर लाउँगा मैं,
भाभी तो! तुम्हारी, कहती है, मइयाँ!
रेश्मी जकेट! रेश्मी जकेट! खरीदकर लाना।

जिनिद् गोनोएः

जिनिद् गोनोएः दोआकनोः रेओ,
दुकु–हसु मेनअः रेओ,
अमलेका सिरिमा जेतारेओ,
बनोअः कुमुकोरेओ।

तुरि चन्डुः कमि गोएःनअको,
तुरि चन्डुः सुसुन करमअको,
इलि कुड़ि जोआर जोआरअको।

जेटे लोलो कमि लगनअको,
पूसरेदो जिरूब् जोजोमअको,
संगा दहा रपःसरिअको।

लहंगा लिजः इसु सुकुअको,
सुतम बोतेएः पुरअः बुगिअको,
होनकोदो कनडि तुसिंग्अको।

बलाकोरे बंडा गोएःअको,
कमि कोरे दइल उतुइअको,
हडा जिलु सिमते नवाएअको।

रेंगेः रेदो ओयोंग मदुकमते,
तेतंग् रेदो रेअड़ बेरेल दाःते,
बी'नअको सिंग्अड़अः पतड़ाते।

कुमनि कुमबद् तुपुबड़ाएअको,
गिरा जलोम पिलनि इदिअको,
कुड़िकोदो जोजो तुपुएअको।

बाबा रोएः अउरि चबाएकअको,
होनकोदो डुंकु लोड़ोएअको,
जोजोकोलोः हईको सिबिलअको।

कोलोम कोरे बाबा रकब्केद्को,
कोड़ा–कुडि, पीट–जतराअको
गुयुकोरे हड़म कुःएअको!

रतंग्कोरे पसंगिबड़ाएअको
रचाकोरे सेगेंल हम्बुद्अको,
सेताकोदो रेबेद्बड़नअको ।

कुड़िकोदो सरा–सहनअको
कोड़ाकोदो उर–गोःअको,
रेपो गुंडि गईते सियुःअको।

हड़मकोलोः होनको ओतोंग्अको,
बिरकोरे सेनदेरा जोजोमअको,
पोटाकोलोः कुलइ सिबिलअको।

पिड़िकोरे उरिः अतिंग्अको
उम्बुलकोरे होनको इनुंग्अको,
कुड़िकोदो किता गलंग्अको।

जेटेकोरे जोमको बनोःरेदो,
किसंड़ होड़ो रिंड़ि ओमएअको,
होनकोदो टेन्डअः बोसनअको।

दअः सेटेर हिता गिड़िअको,
चटुकोरअः बबा दंड़ाएअको,
इलि–मंडितेओ देंगाएअको।

चुकडु चतोम इदिबड़ाएअको,
हसा–अड़ि तोलेबड़ाएअको,
कुड़िकोदो गुंगुबड़ानअको।

गुडा कोरे सुकरी रअःएअको
ओड़अःकोरे होनको गेरंग्अको,
हातुगेना चोको दुरंग्अको।

सनामंग् रे रअः गेरंग दो,
होड़ोकोदो गोएःबड़ाओःअको
कोचा कोचा कंटड़ा उलेअको।

नलाकोते जीउ रेबेद्अको
गुडलुकोते असुलबेड़ाओःअको
बबा बिरहि हरिअरते बिओःअको।

जीवन–मरण

जीवन–मरण रखे होने के वावजूद
दुःख–दर्द के वावजूद भी।
तुम्हारे जैसे साल भर में भी नहीं,
यहाँ तक कि स्वप्न में भी नहीं।

छः माह मरते दम तक काम करते लोग,
छः माह कर्म–नृत्य एवं मनोरंजन करते हैं लोग,
और पुरखों को इलि–तपन के साथ,
महिलाएँ जोहार जोहार करती हैं।

तापती धूप में काम करते लोग थकते हैं
माघ–पूस के ठंठ में लोग आग तपाते खाते हैं,
और आग की भाठी में लोग पकाते सकरकंद।

लहँगा कपड़ा बहुत पसंद करते हैं लोग
सूत वाला करेया लोग और ही पसँद करते हैं,
लड़की बच्चियाँ को कौड़ी पहनाया जाता है।

शादी–विवाह में बन्डा मारते हैं
काम में दाल पकाते हैं,
नवाखानी परब–त्योहार में लोग,
बैल का माँस और मुर्गा से नवा खानी करते हैं।

भूख काल में तो, भाँपा हुआ महुआ से,
प्यास में प्यास बुझाते ठँठा कच्चा जल से,
और पेट भरते हैं कोयनार साग के पत्ते से।

कुमनी कुम्बद् रोपते हैं मच्छली फँसाने के लिए,
कुम्बद्,गिरा जाल और पिलनी मच्छली फाँसाने के,

लिए ढोकर लिये फिरते–चलते हैं।
और महिलाएँ इमली बोथती हैं पानी में।

धान रोपनी जब तक समाप्त हुआ नहीं रहता,
तब बच्चे पानी के डोभा को झाँकते रहते हैं,
मच्छली मारने के लिए।
और इमली से मच्छलियाँ बहुत स्वाद लगती हैं।

खलिहानों में धान की अटियाँ चढ़ाते ही,
युवक–युवतियाँ मेला–हाट–बाजार करती हैं।
और खलिहान के कुम्बा में बूढ़े बूजुर्ग खोखते रहते हैं।

कोहरे–कुहाँसा में लोग आग की भाट्ठी लगाते है
घर के आँगन में आग से सटकर लोग तपाते हैं,
और कुत्ते लोगों के बीच सटते हुए घुसकर पूँछ हिलाते हैं।

गरमी में लड़कियाँ खाद–लकड़ी ढोती हैं
माटी कोड़कर लड़के ढोते हुए थकते हैं,
बूढ़ी–ढ़ाढ़री गाय से लोग हल जोतते हैं।

बूढ़ों के साथ बच्चे पीछे पीछे चलकर घूमते रहते हैं
जंगलों में सेंदरा शिकार करते खाते हैं
और खरगोश का अंतड़ी के साथ,
पकाने से खरगोश मांस स्वाद लगता है।

खेत–टाँड़ में गाय–बकरियाँ चरती हैं
पेड़ की छाया में बच्चे खेलते हैं,
महिलाएँ चट्टाई बिनती रहती हैं।

जेठ बैशाख, असाड़ में खाने को है नहीं तब,
धनी लोग, ऋण–उधार देते हैं लोगों को
बच्चे तो माँड़–भात से पेट भरते हैं।

बरखा पहुँचा–पहुँची बीज खोजकर बो देते हैं लोग,
घड़े में रखा हुआ बीच टमोड़ते रहते हैं लोग
भात और हाँड़ियाँ से भी एक दूसरे को मदद करते हैं लोग।

छोटी बाँस का छाता ढोकर चलते–फिरते हैं लोग,
मिट्टी मेंढ़ बाँधते रहते हैं लोग,
महिलाएँ तो गुंगू पहनकर चलती फिरती रहती हैं।

सुअर गूड़ाओं में रोते रहते हैं
बच्चे घर में घेघयाते और कुंहरते हुए रोते रहते हैं
गाँव निकट के मेंढक भी रोते गाते रहते हैं।

अमने–सामने जब दुःखदायी करूणा काल होती है
तब भूख और बुखार से लोगों की मृत्यु होती है
तब कोने में कटहल पकने के लिए रखते हैं।

दैनिक मजदूरी के आशे में जीते हैं,
तब जीवन अनिश्चिता रहती है
तब गोंदली–गोड़ा धान से जीवन गुजरता है
तब एक दूसरे के मदाईत जमा धान द्वारा पेट भरते हैं।

बिउरअते उपुन कोना

बिउरअते उपुन कोना पुंडि रिमिल चेतन,
हेन्दे रिमिल लतर।
गिदिलेका मरंग् बुरू सिंग–बोंगा, जलातिंग्तन,
दिसुम एनेटेः सिदाएते, दिसुम टुंडु जकेद्।

टोनंग् बिरको फाएलकेदा, सदड़ाकेदा को,
मरंग् बेड़ाको,
गंगा गड़ा, सिन्धु, जमुनाको, दिलि रोहितास,
अजमगड़ा, पटंड़ॉ, हड़मकोअः मसंड़ा।

दिकु को हिजुः लेना, होड़ोजोम होड़ो को,
दरूगोएः सुअमको,
एटेद् एतकागि सनाइञा, गोड़े !
मुंडाको दो काचिको हिजुः लेना, सुतियाअंबा नगपुर।

होड़ो को दुबेजना सुतिअरे किला,
दुनुवरअः लपेंगा,
बइरिकोएते अबु बनचव होरा सेंड़ॉ पिति जना,
किलिको सला जना,
मोद्हिसि बरिअ।

सुतिअमबा बुरू किला, मदरा मुंडा राजा,
हदिरि दुबेमेअ ।
सेथा राजा पंडुबिइंग्अः होनदो दिकु दिकुइ,
सोअनअः, अगु हुंडिकोतनाए,
होड़ोजोम बिइंग् होनको।

नागपुर रेन नगु अबा, होनकोतमअः चिमिन?
लेका लेकोमेअ।
गिरगा, झिरगा, बसिअ, बसु ,ढोएंसा, ढोएंअ
बेलो, बेलसिअ, सोनपुर समु, मोंडेअ,
निकु सोबेन हगिअ।

मुण्डा कोअः मरंग राजा कोरेमेअ मनि,
कोरेमेअ सहाय
फाउद् पलटन सोतोःकोम तेलेंगा
दिकु दरोम जोमते, दिसुम बनचव मेनते,
बिउर तेअरेनमे ।

हिरा राजा, बंडा राजा, अबेनअः मनरंग्
अबेनअः मनतिंग्,
दिसुम होड़ोको अकादंदा जना
कुड़िकोदो चिउला सेन लगातिंग्अः,
दिनिया सेंदेरा।

बुदु बाबु दुरंग्एमे जतेरा–सेंदेरा
जरापि–जरेगा।
मुंडा होनको दंड़ाबड़ा तना
बुरू जोलारे, गड़ा सोंगा तलारे
दुकु–रसिकारे।

गुटुहातु जनुम पिड़ि, लगाजनाको एअ,
बंदुक सबनकोएअ।
सुमु कोड़ा बिन्दिराए सरेदार
दड़िबेनेअ, राउड़कोबेनअ,
भुटिअ तेलेंगा ।

एला हो बिरसा कोड़ा, बोरोदो बनोअः,
चलकद्रेन दंगड़ा।
कोचंग् सुकन डुमरि बुरू चेतन,
अबुदड़ि जना, बनोःदअः गिड़िजना,
गुलि सयोब्कोअः।

नंग्कोएते दिरि लेका मेनअःबुअ हगा,
काबु चबाएओःगा।
गुलि चिमिन सहर कपि सेनोःअ,
बिरकोलेकन मुंडा, दिरिको लेकन ने रूंडा,
सेरेंग्गिए तइनोःअ।

चारों ओर चारों दिशाएँ

चारों ओर चारों दिशाओं के चारों ओर से
सफेद–काले बादल के नीचे,
गिद्ध के जैसे विशाल पर्वत उपर से
मंडराता हुआ उड़ रहा है सृजनकर्त्ता
पृथ्बी के शुरूआती से जगत् के अंत तक।

जंगल झाड़ पहाड़–पर्वत,विस्तृत तराईओं,
को काट–छोप साफ कर, आबाद किया मुण्डाओं ने।
गंगा, सिन्धु, जमुना, नदियों को पार कर
दिल्ली, रोहतासगढ़, अजमगढ़, पटना में है, पुरखों का कब्रस्थान।

दिकु आये नर–भक्षी, नर खाने
और पेड़–पौधों को खत्मा करने वाले।
मेरे मन–देह में बहुत वेदना है भाई!
क्या मुण्डा लोग इसके पहले,
नहीं आये थे, सुतियाअम्बा छोटानागपुर में?

लोगों ने बैठकी की, बैठकी खोह में,
बैरियों से बचने की राह की खोज में,
गोत्र चुने गये बाइस किलि ।

सुतिया अम्बा पहाड़ के किले में,
महाराजा मदरा मुण्डा महा–पंचायत करो।
कुत्ता राजा, नाग साँप का बेटा तो, दिकु दिकु गंध देता है।
लाकर जमा कर रहा है।
आदमियों को डाँसकर खाने वाले साँप के बच्चों को।

छोटानागपुर का नगु पुरखा, बेटे तुम्हारे कितने हैं ?
गिन लेना उन्हें तुम!
गिरगा, झिरगा, बसिया, बसु ढोंया, ढोंयसा।
बेलो, बेलसियाँ सोनपुर, सामु, ये पाँच सब एक ही भाई हैं।

मुण्डाओं का बड़ा राजा कहाँ गये मनि? कहाँ गये सहाय ?
फौज और पलटनों को एकत्र करो।
दिकुओं को सामना करने के लिए,
अपने देश की रक्षा और बचाने के लिए,
तुरन्त पहाड़–पर्वतों में तैयार हो जाओ।

हीरा राजा और बंडा राजा,
आप दोनों की हो महान
आप दोनों की शासन,
अपके कार्यों से लोग अचांभित हो गये।
अपने देश की रक्षा के लिए,
कब महिलाएँ दुनियाँ का शिकार के लिए निकलेंगी ?

कवि बुदु बाबु, गाओ तुम,
जतरा, सेंदरा, जरापि, जरगा, जदुर।
मुण्डा लड़के खोज फिर रहें हैं,
दुःख–सुख में भी
पहाड़ी तराई व खाईयों के बीच तुम्हें।

गुटुहातु जनुम पिड़ि के गांव में
थक गये, सात बंदुकधारी सिपाही।
सुमु लड़का, बिन्दिराय सरदार, तुम दोनों,
रोक कर मार गिरा देना इन्हें।
अंग्रेज सिपाहियों के इन भूटिया पलटनों को।

आओ हे चलकद् का बिरसा लड़का!
डर–भय है नहीं!
कोचंग, डुम्बारी, सुकन बुरू पर हम जीत गये।
और अंग्रेज सिपाहियों का गोली पानी हो गया।

युग–युग से हम चट्टानों के जैसे हैं, भाई!
नहीं होगें समाप्त!
बंदुक की गोली और तीर कितना भी चले,
जंगल, पहाड़ का साहसी मुण्डा,
पत्थल के जैसे बहादुर हठधर्मी मुण्डा,
चट्टान बनकर ही रहेगा।

बिरसाअः दुनुब्

एन निदा चंडुः जुनुल परचि मसकल,
दुब्जनाए बिरसा कोड़ा तला टुकु रे,
एन निदा डुमारि बुरू

''लड़ाईअबु, नेपेलअबु दिकुकोलोः सुकन बुरू रे''
नेका नेकाए कजि केदा दिरि बोः सरदार,
जिउ लोलोते, सकिंग् !

''चि चिनअः कोबु दुकुतना, मर उदुब्अइंग्पे !
ने सेथा दिकु जति अबु तलारे,
जलतनाए होड़ो मॉयोम रे'

एन इमतुंग् कजि केदाए बसिअ होड़ो दो,
तरनअएते मॉयोम, बलबल अले सअः दो,
एन सोया बिटिगोःरे। ''

एन तोरा कजिकेदाए बेलसिंआ होड़ो दो,
''होड़ोकुड़ि फदाकिःअ बंड़िअ कोड़ादो,
होला पीटि–पिड़ि रे।'

एन इमतुंग् कजि केदाए सिमडेगा होड़ोदो,
''तिलिकोड़ाए ओता जदाए अइंञअः ओतेको''
मेनजदाए टोकब् कोलके।''

ओड़ोः मिद्होड़ कजि केदाए, खड़िया कोड़ादो,
''दल दलते गोएःकिःअए तहसिलदारदो,
काए दड़िजन माल एमोः रे।

''बिर बुरू झरखंडा तरा गेनाएते,
तोलजदाए ओते पिड़ि माल बयरते
कुला हबि दिकु सरकार।''
जराकोको चोपा केदा, पुरखा होड़ोको,
ओतेकोको बइअद्बुआ हड़म होड़ोको,
एना नतिन जिउबु एमएअ। ''

''लाइः रेंगे,दअः तेतंग् सहतिंग् सहतिंग्
ओते रेदो पंच पढ़ा सिरिमा सिंग्
जतिरेबु मपअःन तिन जन?''

''अःसर कपिको मर तेतेयर जोमअबु
नेलइअबु तुलाइअबु नजोम दिकु''
मिद्मोनत कउरिकेदाको ।''

''अःसर कपि सनब्, तेयर अउए जोमपे,
हिसि उपुन दिसंमबर रे हातु हातुएते
हुंडिनअबु डुमारि बुरू रे''

''एन निदा दिकु कोरे अड़गुन जनते,
राँचि बु हड़साएअ कुला पेड़ेः ते,
समअःएअबु तरा गेनाएते''

बिरसा सभा

उस रात्रि के प्रकाशमय चाँदनी रात को
बैठ गया बिरसा जवान बीच पत्थर पर,
उस रात्रि को, डुम्बारी बुरू पहाड़ में।
लड़ेंगे, देखेंगे दिकुओं को सुकन पहाड़ में
दृढ़ संकल्पी अगुआ ने गर्म जोशी से कहा!
हे साथियो! ऐसा ऐसा कहा !

जी हाँ! किस किस प्रकार के दुःख तकलीफों से,
जूझ रहे हो, मुझे बताइये!
यह कुत्ता दिकु जाति! हमारे बीच,
चट रहा है मानव लोहू को !!

उस समय बसिया का आदमी ने कहा
कन्धे से टपक रहा है, पसीना जैसा खून!
उस बेठ बेगारी ढोने की वजह से ।

उसी क्षण बेलसियाँ का आदमी ने बताया
एक औरत जात को, कल ही एक बंनियाँ लड़के ने,
बाजार टाँड़ में लाथ मारा।

इसके तुरंत बाद सिमडेगा का आदमी ने सुनाया
तेली लड़का मेरी जमीन को बेदखल कर रहा है।
और कहता है, तुम्हें ठोकेगें कोल!

इसके बाद एक आदमी, खड़िया लड़के ने कहा,
जमीन का मालगुजारी, नहीं दे सकने के करण,
तहसीलदार ने, पीट पीटकर मार डाला ।

पहाड़–पर्वत, जंगल–झाड़ झारखण्ड के किनारे से, बाँध रहा है मालगुजारी,
एक एक जगह–जमीनों को नापने वाली रस्सी रूपी सिकड़ी से,
अतः इससे बाध खा जाय! ऐसी दिकु सरकार को!

जंगल–झाड़ को काट–झोप साफ कर आबाद किया हमारे पुरखों ने।
जगह–जमीन टाँड़ बना दिये हमारे बुर्जूगों पुरखों ने,
इसलिए न्योच्छावर होंगे हम सब!

भूख–प्यास सहते सहते जमीन पर पंच–पड़हा है स्वर्गीय ईश्वर,
अपने जातियों के विरूद्ध लड़ाई के लिए
आपस में जातीय स्वीकृति हुई।

तीर–कामान हम सब तैयार कर लें !
देखेंगे और सामना करेंगे, उस डाईन दिकु को,
दृढ़ मन से चिल्लाकर लोगों ने समर्थन किया।

तीर–धनुष–तलवार और युद्ध का अस्त्र–शास्त्र लाकर
चौबीस दिसंबर को गाँव गाँव से एकात्र होंगें,
इस डुम्बारी पहाड़ पर हम सब।

उस रात को दिकुओं के बीच में उतरकर हमला करें
सिंह रूपी शक्ति से राँची को झाझोड़ेंगे,
एक–एक ओर से बोटी–बोटी कर खत्मा करेंगे हम।

जिउ कोल कोल लोकोद् केना

जिउ कोल कोल लोकोद् केना
कुड़म दोपोल इहिम लिपिर केना।
मेंद्दअः बड़ि सकम सोसोएः लेका चोटोब्–चोटोब्केना।
दिरि सेरेंग् सेतेंग् लेका, तेरेम–तेरेमकेना।

पुंडी सकम, हेन्दे बनि, संगिन दिसुम,
अइअञः ओड़अः, अइअञः उमाएते!
जिउ रड़ेः दुलाड़ कजि चोःको,
ओ चिमतंग् सेटेरअ!
नेलके नेलकेअइंग्।

बुगितन, काए बुगितना, होयो रबंग्,
दुकु–हसु रिअ चि!
निदा–सिंगि उड़ुः तना, ओकोए,
ओ चिमतंग् उदुबअइंग् !
रअःके, रअःकेअइंग् !

रचा पिंडिगि कउरितनते, इदिउड़ुंग्बड़ए होनको,
कजि तोरसा लंदाए, कुड़ि मइकिंग्!
ओ चिलकाओःतनाकिंग्!
कुमुके कुमुकेकिंग्अइंग्!

ओकोतेते हिजुः तोरा अइञअः दुनुब् जनता
मइतेकिंग् गसरबड़ाए तइको,
ओ चिलकाओः तना हुइ!
कजिके कजिके अइंग्!

होड़ो चेनटा, जगर मरंग! बलबल जेटे रे,
मइतेकिंग् चिकन रेअड़ दरू रे,
ओ चिलकन उमबुल किंग्!
उमाना! उमाना !
इञ

चित व्याकुल मनोव्यथा

चित व्याकुल मनोव्यथा
दिल की धड़कन कलेजे की काँपकपी
बरगद पत्ते के गाद के जैसा नयनों के आँसू लोर टपकते–विखरते
और चट्टानी जल स्त्रोत के जैसा टकराकर फिसलते बहते आँसू।

सफेदी कागज्, श्यामली रेखा, दूरस्थ देश
मेरा घर, मेरी माँ से,
माँ की संत्वाना के लिए, चूमते हुए, प्यार के दो शब्द,
की प्रतीक्षा में हूँ मैं, कब पहुँचूंगा

मंगल, अमंगलमय, और काँपकपी ठँठी हवाएँ
क्या दुःख तकलीफ में हैं ?
दिन–रात सोच से चिंताग्रस्त हूँ कौन?
ओह! मुझे कब बतायेगा वह!
रो–रोकर हूँ मैं व्याकुल !

घर–आँगन में चिल्लाते हुए, खेलते हुए आते–जाते बच्चों से कहती है।
एवं मुस्कुराते हुए अपने बच्चों को पुकारती है, ऐ मेरे बेटियों!
ओह! किस स्थिति में हूँ?
स्वप्न, सपनों में उन्हें देखती हूँ!

कहीं से आते ही,
बैठ जाती है अपनी बैठक जाता में।
और सोचती, बच्चियाँ मेरे तई–तवा धो रही होंगी ?
ओह! किस स्थिति में होंगी ?
मन में बुदबुदाते रहती हूँ।

लोगों का छल–कपटी, बात बतंगड़, इस तापसी धूप में
मेरी बेटियाँ! किस वृक्ष के परछाईयों में हैं ?
ओह ! किस प्रकार मैं छाया दूँगा,
हे माँ! हे माँ!

का नेलोः

का नेलोः पेड़ेः, उकुअकन पेड़ेः,
कोतेरेमा पेड़ेः, का नेलोः पेड़ेः?
हिजुःम, देला पेड़ेः, उकुअकन पेड़ेः।
इदिंग्मे, उडुंग्इंग्मे,
ने इकिर गड़ाएते।

कुला, मिन्डी, तुयुकोदो
जोम–सुकुन तनाको
अइंञअः इहिम सुरूद्रे। कोतेरेमा?

बोरो बोतोंग्तनाको
बिउर–सेकोरा बोंगा बिंग्
होड़ो मंयोम लिंगितन। कोतेरेमा?

मुंइःको टुंनग्तनाको,
गोमअकनाको सिरिमकेन
अइंञअः इहिम–सुरूद रे। कोतेरेमा?

सेरेद्–चेपेद् लेबेद्अकन,
दिरिते तिरिंग्–तिरिंग्अकन
अइंञअः इहिम–सुरूद्ओ। कोतेरेमा?

अदृश्य सामर्थ्य

अदृश्य सामर्थ्य, छिपा हुआ समर्थ
कहाँ हो सामर्थ्य, अदृश्य समर्थ !
आ जा सामर्थ्य, अदृश्य समर्थ!
ले जा मुझे, निकल ले मुझे,
इस गहरी खाई से।

बाध, भालू और सियार तो
खाकर सुख पा रहे हैं।
मेरा–मन–दिल कलेजा में भी। हो कहाँ?

भय और भयावाह पैदा कर रहे हैं
चारो ओर भूत–बिसाही साँप!
लोगों का खून बह रहा है। हो कहाँ ?

चिटि्टियाँ जमा हो गयी हैं
जमाव वाड़ा में सिहरन दिखाते
मेरे मन–दिल–कलेजे में। हो कहाँ ?

रौंदकर, कुचलकर धिस–पीट ठूँसकर
विशाल चट्टान के तहा–तह में
मेरा मन–दिल–कलेजा में भी। हो कहाँ?

हातु गेना दरूको

हातु गेना दरूको,
गड़ा जपअः सेरेंग्को,
बुरू गेना लपेंगाको,
चिमिन दिन रेअः?

चिकन दुरंग्को गमुतन?
चिकन कजि को उदुब् तन?
चिकन कजि को चुन्डुल तन?
हपे–हपे हड़म होड़ोकोअः मनरंग्को दुरंग् तना।

एला सहर हिजुःमे

एला सहर, हिजुःमे, कुड़मतइंग्रे बिदएमे,
इहिमकोतइंग् सेरेद्एम।
काइंग् बोरोतन, जीसु, चोअम फबेजन,
अइंग् ओकोए तनिंग् हो,
इहिमकोतइंग् सेरेद्एम।

गड़ा गेना, सड़गिरअः, टुकु तनिंग्
कउरितन, अलपुंगकोइंग् गोमपड़ तन।

गड़ाइंग् तोलएआ

गड़ाइंग् तोलएआ, बंदाइंग् अड़िइअः मेनतेंग् मेनेएअ हो!
बंदादो इसुअरअः फउद्,
बइड़ि, उदुर–हदूड़ सेर सकुब्केदारे।
हए मोन! मिद् केचअः, लद् जोमेनंग्,
मिद् डुलुः टेन्डअः नू–नंग्, हए मोन !
नगपुर रे बलबल दअःइंग् जोरोतना।

गाँव निकट के वृक्ष

गाँव के निकट के वृक्ष
नदी तट की चट्टान,
पहाड़ के किनारे का खाई–खोह,
कितने दिनों का ?

किस प्रकार के गीतों को गा रहा है ?
किस प्रकार की बातों को बता रहा है ?
किस प्रकार के कार्यों को करने की प्रेरणा दे रहा है।
बड़े गंभीर मन से ,पुरखे बुर्जुगों की महिमा गा रहे हैं
चुप–चाप से गीत गाते हुए उनकी महिमा गा रहे हैं।

आ तीर आ'जा

आ तीर, आ'जा !
मेरे ह्यदय को छेद कीजिये !
मेरे कलेजे को रौंद डालिये !
मैं डर नहीं रहा हूँ! ओह! स्वामी! बेकार हो गये ?
मैं कौन हूँ ?
मेरे कलेजे को रौंद डालिये।

नदी तट के झारने का,
चट्टान का टुकड़ा हूँ।
चिल्लाते हुए! जलधारा तरंगों को हाथ से हटा रहा हूँ।

नदी बंधूँगा

नदी बांधूँगा, नदी मेंढ़ बनाउँगा ऐसा सोचता हूँ की।
बाँध स्वामी के सिपाही,
बाढ़ के जलबहाव को ढकेल कर समाप्त कर दिया ।
ओह मन! एक टुकड़ा रोटी खाने के लिए ,
एक बूँद माँड़ पीने के लिए, ओह मन !
छोटानागपुर में पसीना बहा हरा हूँ।

हिजुःम हिजुः रेदो

हिजुःम,हिजुःरेदो, बोलोरेदो बोलोमे,
दुलाड़ पुतम!
अमअः दुलाड़ जगरते,
जिउरे रेड़इंग्मे।

बेदी कड़ेकारे अपु चिमे मइन तना,
दुलाड़ पुतम!
हिजुःम, गमुलेमे नेरे,
अइंञअः सुरूद् रे।

चिकन तेतंग्कोते बेदी चेतन सेतेंग् गेनारेमा
दुलाड़ पुतम!
अमअः रनअः अयुमकेते,
हुन्डिअकनाले।

जिउ जेटेकोते, सेतेंग्अरेः हयाकोते,
दुलाड़ पुतम!
बेदी जपअः गड़ा जपअःकोरे
होरोतना ले।

एला सेकेड़ाते, बोलोरेदो बोलोमे,
दुलाड़ पुतम !
अइंञअः इहिम इकिर जपअः
जगरएमे जनव।

आना है तो आ जा

आना है तो, आ जा,
प्रवेश करना है,
तो अंदर प्रवेश कर।
प्यारा पन्डुक !
तेरी मधुर बातों से,
मेरे दिल के दुःखों को मुक्ति दे !

वेदी के सुन्दर सन्दूक में,
पिता की महिमा और दुआ कर रहे हो,
प्यारा पन्डुक!
आ एक बार गा दे यहाँ!
मेरे दिल और मन में।

किस प्रकार के प्यास से,
वेदी के झरने के पास हो,
प्यारा पन्डुक !
तेरा रोना सुनकर,
हम सब जमा हुए हैं यहाँ !

मन की अशांति और तपिस से!
झरने के झर–झर के लालच में,
प्यारा पन्डुक !
वेदी नीचे सन्दुक के अति निकट,
हम सब रक्षा कर रहें हैं तुम्हारी।

आ जल्दी से प्रवेश करना है,
तो प्रवेश कर अंदर,
प्यारा पन्डुक!
मेरे दिल की गहराईयों के अति निकट,
बातें करते रहना, सदा–सदैव।

एला हो! अरजा कोड़ा

एला हो! अरजा कोड़ा,
अमअः बोंगा, कलि एंगा, दसइ केडा,
काचिलंग् एमअइतना? काचिलंग बोंगाअइतना हो?

इति भाई, चिनाः कोड़ा हसरदन भारूंडा,
चोके दंड़े, ओकोएलंग् एमअइतना?
चिमएलंग् बोंगाइतना हो?

अमदो भाई, बरमा कोड़ा हटअः–पीटिम धउड़ेतना,
सिबिल सेता, ओकोएलंग् दंड़ातनाम ?
चिमएलंग् बोंगाइतनाम हो ?

अम हले, पुंडि गति, बिलाइतिरे
बिलाई, सदोम, हूंडा पता ।
चिलिकम चलु तदा? चिलिकम मेनेतदा हो?

बिरको बितर, दुनिअरे बिउरते,
गदइ टेटेंगा, बयर बिइंग्को असितना,
बुरूको नमबुतना हो।

अमदोया बड़ंदा बोंगा, जरा–जपि,
रेंगेमेका गोजोःमेआ।
संडिअको दुरंग्तना, सिमएअको बकंड़ तदा हो।

आ जा हे आर्य लड़का

आ जा हे! आर्य लड़का
देवता तेरा काली माँय, दाशहरा में भैंस,
हम दोनों नहीं देते हैं क्या ?
हम दोनों भैंस बलि नहीं चढ़ाते क्या ?

अरे भाई! क्यों रे लड़का? खुरदरा मेंढक,
मेंढक बलि, हम दोनों किसको दे रहे हैं ?
हम दोनों में ही ना! बलि पूजा कर चढ़ा रहे हैं।

तुम तो भाई! बर्मा लड़का! हट–बाजार
सूप से रगड़ते हुए महिमा गाते हो।
मिठास रूपी मधुर कुत्ता को,
हम दोनों में से कौन किसके लिए खोज रहा है?
कौन किसके लिए बलि चढ़ाते है?

तुम हो गोरा साथी
बिलायती बिल्ली, घोड़ा हुंडा, कुत्ता हाथी।
कैसे सोच लिया ?
कैसे शुरूआत और प्रचलन कर दिया ऐसा ?

जंगल के बीच, दुनियाँ के चारों ओर
रंग बदलने वाला गिरगिट,
रस्सी रूपी साँप और पिश्चास् बलि माँग रहा है।
हमें बलिदान के लिए जंगल–पहाड़ों में खोज–फिर रहे हैं।

तुम बाड़ंदा महादेव, जरा–जपि
भूख–प्यास से मरोगे ही,
मुर्गे गीत गा रहे हैं, और मुर्गियाँ इस पर बहस छेड़ दी हैं।

अःसर तीः रे सब्एम

अःसर तीःरे सब्एम बोःरे बेदेनमे,
डन्डअः डुंगारे, हमबल मोटा तरारे,
तरन तुलाएरे, बंसि मंडि दोयारे,
उडुंगोःम ओड़ाःएते कुपुलेन,
एसेकर सेन होराएमे।

होरा इसु संगिनअः, बोदे सेनेमे
तमकु सेरेद्अम रिड़िंग्बगितुकारे ,
चेचअः चतोमअम दोया बगितुकारे,
एंगामाए निर अउअमए सब्मा,
होराएते नेल–गोदेमा ।

टोनंग् बिरको रेसेदअः, बुरूको रेबेदअ,
सेनअकतेमे अमअः होरा अयुरते,
हेताकतेमे अमअः दोया–दोयाते,
अरिदएम, सिंगि चिमतारिअ,
दिरि रे गुर–तुदेनमे।

जोजोम बेड़ा होबा जना, रूडुनमे,
एंगाम कुलअद्मे बसि–मंडि नेलएमे,
बोकोम तोलअद्मे जोजोउतु रड़ाएमे,
रसिदो जोरो चबा जना,
जारिका जोम चबाएमे।

चिनअःम उडुः तना दरू–उमबुलरे,
मुकुइंग्तनामे अमअः हगा मिसि रे,
बुलोः तनामे, दुलाड़कोअः पहमरे,
एओनोःम तमकु कपाःगेमे
चंडंग्एम कटा अयरते।

हाथ में तीर–धनुष पकड़

हाथ में तीर–धनुः पकड़ और सिर पे पगड़ी लपेट
डंडा–उन्डा टंग, भारी मोटरी कंधे पर,
कंघे के पीठ पर बराबरी का बासी भात ढोकर,
निकल घर से मेहमानी के लिए,
अकेले ही राह में चल पड़।

राह बड़ी दूर, जल्दी चल ,
तम्बाखू का पोटली, छोड़ आये तो,
फटा टूटा छाता पीछे छुट जाने पर
माँ तेरी दौड़ते हुए छाता पकड़कर आएगी
और पकडाकर राह के तुम्हें बिदा देगी।

वन पतरा पहाड़ों की रास्ता सकरा और अतिसँकीर्ण
चलते ही रहना तुम अपने पथ पर आगे,
और पीछे भी पलट कर देखते रहना,
सूरज को भी देखना कितना हुआ है समय,
फिर कभी चट्टान पे कर आराम।

खाने का समय हो गया तू रूक जा!
तेरी मॉ का भेजा हुआ बासी भात को देख ,
तेरी बहन का बाँधकर भेजा हुआ इमली तियन को खोल,
क्या सब रस चूकर खत्म
है तो किसी प्रकार समाप्त करो खाकर!

क्या सोच रहे हो पेड़ की छाया में ?
याद आ रही है भाई–बहनों की!
व्याकुल हो रहे हैं प्रियों की याद में,
तरोताजा हो और तम्बाखु फाँख!
और कदम बढ़ाके आगे चल!

मर! चिलकम सेरेद्इञा

मर! चिलकम सेरेदइञा,
मर! चिमिनअम चेपेदिइञा?

सनंग्कोम टोटाःतुकादिञा,
जिउकोम ओयोंगतुकादिञा।

बइलेदम सुरूद् चकरअनगि,
चुलुकेदाम जनुम बकड़िते।

दिरिकोम हतरतुकादिञा,
दरूकोम दुपिलतुकादिञा।

मोनरेम सिड्डुतुकादिञा,
सेंड़ॉरेम रिदएतुकादिञा।

ससंग्अम पोटोम कुलअदिञा
सिवनतम अम बियुररिकादिञा।

बड़ि दरू लेकाइंग् मेनेलेदा,
दिरि ससनलेकाइंग् मोनेलेदा।

तिगातेगेम रपुद्गिड़िकेदिंग्,
लिनतेगेम रोचोद्गिड़िकिदिंग्।

दरूरेम हकाकेदिञा चि,
हंगिरेम हदुड़केदिञा चि?

दुबिरे उदुरतुकाइंग्मेगि,
सेरेंग् रे सेरेद्तुकाइंग्मेगि।

ओह कैसे रौंदोगे

ओह! कैसे रौंदोगे ?
ओह! कितनी बार रौंदकर चूसोगे?

मेरी इच्छाओं को तोड़कर चला गया,
दिल को भाँप कर चला गया।

बनया था मेरे दिल को बृहद रूप में
घेरा तूने कँटीले बागान से।

पत्थरों को मुझ पर टाँग कर चला गया,
वृक्षों को सिर पर लाद कर चला गया।

मेरे मन को जख्मी कर चला गया
मेरे दिमाग को चकनाचूर कर चला गया।

हल्दीओं को पोटली बना कर भेज दिया
चरित्र के लिए कितनी बार ठुकरायी।

बरगद पेड़ के जैसे सोचा था
ससन और ससनदिरि के जैसे सँकल्प लिया था।

पैर से रौंदकर फोड़ दिया तूने
हाथों से मसलकर चूर–चुर कर दिया तूने मुझे।

क्या तूने पेड़ों पर टाँगकर छोड़ दिया ?
क्या तूने बड़े खाईयों में ढकेल कर चले आये?

गोबर गन्दुर गढा में फेंक ही दो मुझे!
चट्टान के उपर कुचलकर, छोड़कर आना ही मुझे।

अइंग् अउरिंग् गोजोः रे

अइंग् अउरिंग् गोजोः रे,
हलंगअ, तुमबलअ, तुसंग्अकिंग्रेम।
अइंग् गोजोः इमताएओः,
तुलंग्अ, सिपिंगि्किग्रेम।

अइंग् अउरिंग् गोजोः रे,
हेबेकिंग्, इदिकिंग्, इतुकिंग्रेम।
अइंग् गोजोः इमताएओ,
कोयोंग्, कुचुंगकिंग्रेम।

अइंग् अउरिंग् गोजोः रे,
होरोकिंग, अनुकिंग्, अजोमकिंग्रेम।
अइंग् गोजोः इमताएओ,
सुरूकिंग्, उमबुलकिंग्रेम।

तब तक मेरी मृत्यु

तब तक मेरी मृत्यु नहीं हो जाती
तक मुझे चुनकर छाँटकर बैठाके पहना लेती?
मेरी मृत्यु काल तक में भी
हाथेली में लेकर उपर उठाकर सहला लेती।

मेरा देहान्त नहीं हो जाता, तब तक
तुम गोदी में लेकर सिखा देती?
मेरी मृत्यु काल में भी
आलिंगन कर लपेट लेती।

मेरी मृत्यु नहीं हो जाती तब तक
रक्षा करती, आश्रय देती और खिला देती, पिला देती,
मेरा मृत्यु काल तक में भी
संरक्षिका और छत्रच्छाया करती रहती।

चिकाएअमे तम

चिकाएअमे तम?
चिकाएअमे तम?
चिकाएअमे तम?

सेन–होरा रे तुयु टुंकंड़िमेरे,
लंदा–लंदाते मंडा चंडंग्एम,
मंडा–मंडाते लंदा चंडंग्एम,
होरा–होराते सेने होराएमे,
अमअः ओड़अःते।

हातु गेनारे सेताको बूःअमेरे,
अड़ि गेनारे दुब्–उयुगोः रे,
डड़िगेनारेम गुर उगुरोःरे,
तला पिड़ि रे होयो दुदुगरमेरे।

निदा–सिंगि रूगुड़–रूगुड़

गड़ा गेना सके जपअः, गड़ा कुनुचा कोचारे।
लोयोंग दअःदो दुलोः तना निदा–सिंगि,
रूगुड़–रूगुड़, बुरूड़–बुरूड़,
मुंकुड़ि इकिर डुंकुरे ।

रोएरोए कुड़िको लोसोद्ते बोडालेद्,
अड़ि पंइड़िदो, दुल–सोंग अड़गुलेद्।

बबा–सकमको, अड़ितसद्कोएओगि
अतु–बुअलतन, गेना–गेना डुंकुरेगि।

तला डुंकुरे गड़ा जिमतु दरूदो
रअःगे सनइञा मोनतेंग् नेललिरेगि।

क्या करोगे तब

क्या करोगे तब?
क्या करोगे जब?
क्या करोगे तब?

राह चलते तुम्हें, जब सियार के साथ सामना हो जाए?
हँसते–हँसते, आगे अपना कदम बढ़ाते ही जाना,
कदम बढ़ाते बढ़ाते, आगे ही चलते जाना,
रास्ते रास्ते ही आगे बढ़ते जाना,
अपने गंतब्या घर को।

गाँव के किनारे जब तुम्हें कुत्ते भूँकेंगे
मेंढ़ के किनारे बैठते ही जब लूढ़क कर गिर जाओगे
डाड़ी के किनारे पानी लाने वाली युवतियाँ जब हँसेगी
गंदुर गढ़ा में गिर कर जब लटपट होकर भी चलते ही जाना,
बीच मैदान में जब आँधी तूफान के चपेट में आ जाओगे फिर भी।

दिन रात हुद हुद की आवाज

नदी किनारे झुरमुट वृक्षों के पास का कुनुचा कोचा दाह में
दोन का बहता पानी, गिर रहा है, दिन–रात,
एक घुटना डोभा बहता पानी, हुद–हुद करते हुए उस कुनुचा कोचा दाह में।

धान रोपने वाली युवतियाँ कीचड़ की थीं, मटमैला सा पानी में
मेंढ़ की धारा से होते हुए पानी निकाल ली थीं।

धान का पत्ता और मेंढ़ की घाँस–पूस सभी
बह कर चला गया, किनारे किनारे उसी दाह में।

दाह के बीच, नदी जिमतु पौधा देखकर
रोने का मन करता है दिल से।

चेंड़ें अटा कोड़ा

जेटे–सिंगि मरंग् तिकिन एन सिःसोए हुअंग गड़ा।
दरू–बुटा मियद् कोड़ा दुबअकनाए ओड़े लसा।
चेंड़ेंको सितुंग् ते लकए–लकए, टोर लगंब्–लगंब्
दअःनूते, तेर, सेकेड़ाको हिजुःतना।

हए! लंग् लंग् हिजुः तनाए,
हए लंग् लंग् तोलोंगतलंग्!
दरू बुटा कुजरी जटा,
दुब्जनाए लेपेंग् लेका।
चेंड़ेंदो सितुंग्ते लकए–लकए, टोर लंगब् लंगब्,
दुब् लोःगि लटुःपटुतन पटुजन।

एन केरकेट्टा केटे–केटे,
जलातिंग्केद् जेटे–जेटे।
दरू बुटा इचअः जटा,
दुब्जनाए केटे–केटे।
चेंड़ेंदो सितुंग्ते लकए–लकए, टोर लंगब् लंगब्,
दुब् लोःगि पेटे–पेटेतन पेटेजन।

इति पुतम! हिजुःतनाए
"ओचो, कुडि, तड़कु सदोम" मेनलःए!
दरू बुटा दअःको गेना,
दुब्जनाए लेपे–लेपे।
चेंड़ेंदो सितुंग्ते लकए–लकए, टोर लंगब् लंगब्,
दुब् लोःगि कोटे–कोटेतन तोतेजन।

हए! समय सेनोःतना,
एन समए कअरे रूअड़ तना।
बुरू चुटि मियद् कुड़ि,
रअः तनाए "एला ! एला!"
चेंड़ेंदो सितुंग्ते लकाए–लकाए, टोर लंगब् लंगब्,
दअःनूते, तेर सेकेड़ाको हिजुःअ!

चिड़ियाँ फँसाने वाला यवन

गरमी काल के दिन कड़ाके की धूप में,
उस सिःसोए गहरे दाह में।
पेड़ के जड़ के पास एक यवन बैठा हुआ है,
चिड़ियाँ फाँसाने।
चिड़ियाँ गरमी की प्यास से, हाँफते हुए,
चोंच की लपलपाहट से
पानी पीने के लिए जल्दी–जल्दी उतर रहीं हैं।

ओह! लम्बी पूँछवाली लंग् पंक्षी आ रही है
ओह! लम्बी झबरदार लहरती हम दोनों का करेया झंडा
पेड़ के जड़, मलकंगनी सूखी लकड़ी के पास बैठ गया हाँफते हुए,
प्यास से चिड़ियाँ लपलापते हुए, चोंचो की लपलपाहट
बैठते ही वह फड़फड़ते हुए, लड़खड़ाते फँस गया।

केरकेट्टा पंक्षी की केटकेट की आवाज
उड़ता–फिरता गरमी काल में,
पेड़ के जड़ के धाय लकड़ी के उपर बैठ गया केटकेट की आवाज देते हुए,
प्यास से चिड़ियाँ लपलापते हुए, चोंचो की लपलपाहट
बैठते ही वह फड़फड़ते हुए लड़खड़ाते फँस गया।

अरे! ओ देखो! पंडुक पंक्षी आ रही है
अरे! ओ लड़की हट जा!!
तुरूक घोड़ा आ रहा है, हिनहिनते हुए कहा था।
पेड़ के जड़ के पर और पानी के तट पंख फैलाते बैठ गया
प्यास से चिड़ियाँ लपलापते हुए, चोंचो की लपलपाहट
बैठते ही पंख फ़ड़फड़ाते हए मारा गया।

ओह! समय बितता जा रहा है
वह समय लौटने वाला है नहीं।
पहाड़ की तराई की चोटी के उपर
रो रही एक लड़की, आओ आओ कहते हुए,
प्यास से चिड़ियाँ लपलापते हुए, चोंचो की लपलपाहट
करते हुए पानी पीने के लिए चिड़ियाँ उतर रही हैं।

सेपेड़ेद्

अइञअः जीदो निदा सिंगि
दोलाएगि दोलाए मेताइंग्तना, कजि तना।

ओकोतिञा हो,
गड़ा–बेड़ा हुअंग् डोड़ा,
अकनदल टोनंग् थला बुरू बिर,
कुला लता लपेंगा रे,
अइंग्दोइंग् निर उकुना चि ?

जोजो सकमलेका अइञअः जी दो,
अपिर तना, ओटंग् तना,
अदोःतनाइंग चि ?

बइडि दअः लेका अइञअः जीदो
अतु तना, बुअल तना,
बुलोःतनाइंग् चि ?

यवन

मेरा मन कहता है दिन–रात,
चलो रे चलो ही कहता है,
उत्प्रेरणा देकर कहते रहता है।

कहाँ जाऊ मैं ?
नदी–नाला, बड़े–बड़े खाई–खोह
घने जंगल और पहाड़–पर्वत के बीच
भयावाह शेर के बिल में,
मैं दौड़कर भगकर छिप जाउँ क्या?

इमली पत्ते की तरह मेरा मन–दिल
उड़ रहा हूँ,
मैं विनाश के राह पे हूँ,
क्या मैं अनर्थ होते जा रहा हूँ?

बाढ़ के जल–धारा सा है मन मेरा
बह रहा हूँ, धोवा रहा हूँ ,
जोश में बेहोश हूँ मैं मतवाला ।

बगितुकादिञाम

बगितुकादिञाम, सेनोअयर जनाम,
काइंग् नेल–दड़िअदमा।

मिसातेलंग् सेन–होरा तइनरे,
हुअंग गड़ालंग परोमोः तइनरे, हए !
इमतंग् सेनोःअयर जनाम,
काइंग् नेल दड़िअमद्मा।

हुअंग् गड़ालंग तड़ोमोः तइनरे,
सिडिगिरजनाइंग् जिलिलद् दिरिरे,
हए! इमतंग् सेनोःअयरजनाम,
काइंग् नेलदड़िअद्मा।

सिडिगिरकोःतेंग् गुलि हुरतंग्जनरे,
रकब् अयरजनाम सिदारे ,
हए इमतंग् सेनोः अयरजनाम,
काइंग् नेल दड़िअद्मा।

बुरू–बिर होरालंग् सेन–होरा तइनरे,
इनुंग्बड़ालोःइंग् तयोमअकन तइन रे,
हए ! इमतंग् सेनोःअयरजनाम,
काइंग् नेल दड़िअद्मा।

छोड़ चले तुम

छोड़ चले तुम,
आगे निकल गये तुम,
नहीं देख सका मैं।

एक साथ हम दोनों चलते थे,
नदी–घाटी–खाई पार करते समय,
ओह! उस समय, आगे निकल गये तुम,
नहीं देख सका मैं।

नदी–घाटी–खाई पार करते समय,
फिसल गया मैं, चिकना पत्थर पर
ओह! उस समय, आगे निकल गये तुम,
नहीं देख सका मैं।

फिसलकर घुड़मुड़ाते हुए दूर फेंका गया
चढ़कर आगे निकल गये पहले तुम,
ओह! उस समय तुम आगे चले गये,
नहीं देख सका मैं ।

इसुगिंग् दुकु तना

इसुगिंग् दुकु तना,
अलोगिम बगिइंञा।

गड़ा गेना सड़गितअः उम्बुलते इदिइंग्मे।

गड़ाइंग् होनोर तना,
अमअइंग् दंड़ॉतना।

सुरूद् मंयोमतना,
इहिम सेरोःतना।

दंड़े–ओड़अः, बेदी जपअः, जीसुतअः इदिइंगमे।

जिउरेंग् दुकुतना,
मोनरेंग् हसु तना।

सिरमारअः रनुकोते, मोलोंग्रे जोलोमइंग्मे।

बोरो सब्इंग् तना,
जिउ एकेला तन।

लिनिबुइरअः जनुमते इहिमतइंग् बकड़िमे।

सुरूद् इकिरकोरे,
सेंड़ॉ पेड़ेःकोरे।
दिरि लेसेर, दरू चोगा,
सनंग्तइंग् हुदिरतन।

अति दुःखित हो रहा हूँ

अति दुःखित हो रहा हूँ
मत ही छोड़ना।

नदी तट, झरने के किनारे,
परछाईओं में ले जना।

नदी में घूम रहा हूँ,
तुम्हें खोज रहा हूँ।

दिल मेरा रक्त युक्त है,
कलेजा गल रहा है।

मंदिर के वेदी के पास,
प्रभु के निकट ले जाना।

मन में दुःखित हूँ,
मन में अशांति

स्वर्ग की दवाईयों से, माथे में पोतना।

डर समा रहा है ,
दिल में भय और कंपकंपी है।

दया के काँटों से मेरे कलेजे को घेर देना।

मन–दिल की गहराईयों में
बुद्धि–बल–सामर्थ्य में।

तेजधार पत्थल, चोखीदार लकड़ी से
मेरी इच्छाएँ जख्मी हो रहा है ।

जेताए काको नेलमेरे

जेताए काको नेलमेरे,
तसद् बिर तला रे, अइंग्मेनःइञा, सिरिमा सिइंग्बोंगाएओ,
अलोम बोरोएअ, सिरमाए होरोमेअ, हो।

गड़ा गेना टिकुरा रे, नंड़ि तसद् रे
ओमोन लेन, मरंग्लेन,बालेनाम।
काचिंग् सरिअरे ?

गड़ा गेनाइंग् होनोरकेना, अम जपअःइंग् सेनकेना,
उगुरलेन, बिउरलेन, लोओनकेन !
चिअम लिउद्जना?

सिंगि दुडुम, नुदुम निदा, हिरे होयोरे
लिहिरकेन, लिपिरकेन, झिमिरकेन !
काचिंग् नेलअद्मारे?

मिंडि–मेरोम–उरिःकोदो जोम अतिंग्केमरेदो
हलंग्केम तुमबलकेम चपद्केम
मेनतेंग् बोरोएअ हो।

कोई तुम्हारा ख्याल न करे

कोई तुम्हारा देख–भाल न करे,
घाँस–पूस वन के बीच, मैं हूँ ना! और सर्वसमर्थ ईश्वर भी,
डरना मत, सर्वशक्तिमान रक्षा करेगा तुम्हें।

नदी तट तराई के किनारे और लता घाँस में
उग आये थे, बड़े हुए थे, और फूल खिले थे।
नहीं जानते इससे क्या?

नदी तट टहलने गया था, तुम्हारे निकट भी गया था
घूसकर, चक्कर लगाते ही झुक गया
तब तुम झुक गये क्यों?

दिन में आलस, रात को बहती ठँठी हवा में,
लहरायी, घबरायी, कँपकँपायी
इससे नहीं देखा था मैं क्या?

भेड़–बकरी–गाय, बैल चर कर खा जाते तो !
अतः उठाकर, जमाकर, पैर तले मशलते तुम्हें
अतः मैं इससे ही डरता।

जिमतु दरू

लेकोः लेका, लेकोः लेका, लेकोः लेका एकेला तना
गड़ा गेनारः जिमतु दरू लेओनेकेना
लेकोः लेका, लेकोः लेका, लेकोः लेका एकेला तना।

ओ सुगड़ जिमतु दरू, बनोःतम जेता सुरू
तिंगुजनम एकेलागि, एकेलातन होयो रेगि
नेलअकते, नेलअकते चपुकतेम गि सनइआ हो।

ने मुदाई बइरि दअःदो अड़गु लेन गड़ा रेदो
गोमपाड़केम अलपुंगकेते, बुसुः लेका चपद्केम
पहमकते रअःकते चेतन लतरगि सनइआ हो।

ने गड़ा गेना जपअः होनोरअइंग सेन केना
तिर तिरतन तिंगु जनम, कितादरू लेका जनम
रसिकाते, रसिकाते लंदाकते गि सनइआ हो।

जिनिद् रअः होराकोरे बइरिको सिरिमा सिरिमा,
अलोगिमे बोरोएअरे, होरो सुरूमेअइंग रे
जगर कते, दुरंग कते, गमुकतेम गि सनंगइआ हो।

जिमतु पौधा

मोड़ने झुकाने, मोड़ने झुकाने, मुड़ने झुकने जैसा हिल रहा है
नदी तट का जिमतु पौधा, झुक कर मुड़ा,
मोड़ने झुकाने, मोड़ने झुकाने, झुक कर मोड़ने जैसा हिल रहा है

ओ सुन्दर जिमतु पौधा, नहीं है तुम्हारे पास परछायी
खड़े हो अकेला ही, काँप भी रहे हो अकेले
मन करता है देखने की, देखकर स्पर्श करने का।

यह तूफानी जल धारा उतर आया नदी में
बगल से जल धारा निकालकर एवम पैर से रौंद कर पुअल को
मन मसोसकर सोचता हूँ, उपर–नीचे रोते हुए।

इस नदी तट मैं टहलने गया था
घबड़ाते हुए खड़े हुए, जैसे खजुर के पेड़ जैसे
हँसने का मन करता है, खुशी से हर्षित मन से।

जीवन के राह में प्रतिवर्ष शत्रुता
भयभीत होइये मत, मैं तुम्हें सुरक्षा प्रदान करूँगा
करता है मन बात करने, गीत गाने व गुनगुनाने का।

बनो जनाइंग

बनोः जनाइंग, बनोः कनाइंग
समाज नंग सरितनते।
हए! हसुते, मंयोम सुरूद् रे सेतेंग तना,
हए ! हसु ते मंयोम !!

ने तेंग सेने, हन तेंग निरे,
सोबेन सअः रे अतर तनाइंग।

सिरिमाइंग नेले, ओतेंग सेने
सोबेन सअः रे अतर तनाइंग।

होड़ो तला होड़ो जमा
मेंद्तइञअः गियुः तना।

लेसेर सहर, लेसेर कतु
होड़ो कोअः मेद् जना।

बुगिन उतेर, बुगिन गति
गंडि तेको नेलिइंग तन।

चिमिन सोअन ओको गुनहा
नुतुम तइञअः ए रिदे तना।

उदुब तमे, कजि तमे
चिलिकातेंग सुकुकोअ।

चिकन सनङ, ओको विचार ते
ओतेरे में अचुतदिइंग।

बेकार हो गया मैं

बेकार हो गया मैं, बेकार सा हूँ मैं
समाज के लिए मालुम होते हुए भी,
ओह ! दर्द से मेरी रक्त।

इधर चलूँ, उधर चलूँ
सब कुछ से, जलते हुए झुलस रहा हूँ।

आकाश देखता हूँ, धरती पर चलता हूँ।
सब कुछ से, जलते हुए झुलस रहा हूँ।

लोगों के बीच, लोगों के समूह
आँख मेरी शर्मिंदा हो रही है।

तेज धार तीर, तेज धार छूरि
लोगों की आँख पड़ी।

सबसे उत्तम साथी
फूटी आँख से देख रहे हैं।

कितना दुर्गन्ध, किस गुनाह से
मेरा नाम लोग रौंद रहे हैं।

बता दीजिए, कह दीजिए
कैसे उन्हें मैं सुख दे पाउँ!

कैसी इच्छा, किस प्रकार की सोच से
इस जगत् में आज्ञा देते हो।

इकिर रेअः इकिराएते

इकिर रेअः इकिराएते चिनअःइंग उदुब्

अम लेबेः एंगा दुलाड़ पेरेःअन,
ने दुकु दोरेअ रे लिबुईअइंगमे।

अम चकर सुरूद्, बिलिकाइंगमे
ने दुकु इकिर रे हेराकिंगमे।

दुकु दिरि चेतन रिदेजनते
अमअः उड्डुः मुकुइंग रे हयुरइंग्मे

पाप लेसेर कतु, मंयोमइंग तन रे
ने हसु चेतन रे रनुकिंगमे।

ओह होरे सेपेड़ेद, नेलकेम ते लिबुःइ रे

ओह होरे ! सेपेड़ेद् !!
नेलकेमते लिबुइःगि सनाइञा,
जिउतम लयर गिड़िजना।
होड़ोमो मेनअः सेंड़ॉ मेनअः तेन को दो
दरू बुटा उम्बुल रे बीःअकन किरि गई
दुब्अकन उम्बुलअकन लिगुमजोम तन लेका
काको तेला दरोम तना।

गहराई के दुर्बोध गहरा से

गहन गहरा के दुर्बोध गहराई से क्या मैं बताउँ?

तू प्यारी माँ, मामता से भरी हुई
इस दुःख अथाह सागर में दया कर मुझे।

तेरी उदार दिल से, दया कर मुझे
इस दुर्बोध गहराई में छात्र–छाया कर।

दुःख रूपी पत्थर के उपर रौंदे जाने के वजह से
तेरे विचार में मुझे उपर उठा लीजिए।

दुःष्कर्म रूपी छुरी से मुझे रक्त रंजित होने पर
इस देह दर्द में मुझे दवा–बिरू कीजिए।

ओह रे युवा! देखकर तेरा व्यथा

ओह रे ! युवा
तुम्हें देखकर, दया आती है, मुझे।
दिल तेरा घायल हो गया।
देह–तन वाले, और बुद्धिमान वाले तो हो!!,
पेड़ के परछाईओं में भरपेट खाये हुए,
गाय के जैसे पागुर करते हुए बैठकर,
परछायी में बड़े चाव से खा रहे हो मिठाई,
पर तुम्हें पूछकर स्वागत् करने वाला कोई नहीं।

जिनिद् मरंग हंगि रे

जिनिद् मरंग हंगि रे लिबुइअन होड़ोको
हए ! इयम तना ले, रअः गेरङ तना ले।

नेल तनाए ओकोए पापी होड़ो रे
सिरिमाएते सोहोर अड़गुन रे।

मेंदअः लेकन गड़ा रे, बपुड़ी बलु तन जिउको
हए ! पाप तना ले, अतुबुअल तना ले।

पाप लेकन पीट रे, सिड़िजन सुकुरे रसिका
हए! लंदातना ले, हए रअः तनाले।

सजाई लेकन तअः रे, अतातन–रतातन अले दो
हए ! नेलतनामे ,बुगि अले तना मे।

बुरू लेकन दुकुते, लेनलेम थेन तलेम अमदो
सनंग तमअः सिरिमा, उड़ुःतमअः सिरिमा।

जीवन के गहरी खाई में

जीवन के गहरी खाई में बेचारे लोग
ओह ! रो रहे हैं, कराह रहें हैं।

देख रहा है, कौन पापी आदमी,
और आकाश से सरकते हुए आ रहा है।

आँसू पानी रूपी बाढ़ में, बेचारे जनों का
ओह! पाप करते हुए, बाढ़ में बह रहे हैं।

पाप रूपी बाजार में, दुःगंध में भी आंनद
ओह! हम हँस रहें हैं, कराह रहे हैं।

दंड विधान के जगहों में, जल रहे है, रख बन रहे हैं
देखते हुए भी तू अच्छे होने की इच्छा नहीं
पहाड़ जैसे दुःख, से दबा कर हमें रौंद दो
इच्छा तुम्हारी, प्रत्येक साल साल ऐसी हो।

एंगा मेनतेंग होनोर तनाइंग

एंगा मेनतेंग होनोर तनाइंग,
जिउ–मोनतेंग सेवामेअइंगे
टुन्डु सनतेंग दुलाड़मा।

गड़कोरे, बुरूकोरे अमअः दुरंगकेनाइंगे,
अमअः नुतुम काइंग पुचिद् लेरे, काइंग दुडुमअ।

कजिकोते, कमिकोते होरा ओम अउकेनाइंगे,
रोगो–चोगो, दिरि–चोलचोल कोरेइंग लयर जन।

कमिकोते, लगाकोते चिमिन रोहोड़ जनाइंगे,
ओको मंयोम अमअः, नतिन टुन्डु रे जोरोएअइंग।

गुटुकोरे, बिरकोरे चिमिन काकलाकेनाइंगं,
बलु मेनते लंदातन तेको, हिलंग किंग ओहो! रे!

होरा गेना, सेनेहोराकोइंग हमबुद्केनाइंग,
फदाकिंगको लंदातन ते चिमिन रसिकन।

चिलिकाते ओको लेका, तोबे दुलाड़मेअइंगे
ने अइंगअः तेलाकेमे, तकिद् सुरूद्गि !!

माँ के वास्ते घूम रहा हूँ मैं

माँ के वास्ते धूम रहा हूँ, मैं
तन–मन से सेवा करूँगा,
अंत तक में तुम्हें प्यार करूँगा।

नदी में, पहाड़ में, तुम्हारा गीत गया,
तुम्हारा नाम लिए बिना, सो नहीं सकता मैं।

वचन से, काम से राह दिखा कर लाया तूने,
उबड़–खबड़, तेज धार पत्थरों से मैं घायल हुआ।

कर्म की थकान से कितना मैं सुख गया मैं
किस जन के तूने अंत तक खून बहाया?

पत्थरीली तलहटियों में, जंगल के बीच में आवाज दी मैं
पागल समझकर हँसे लोग, और लोग मुझे दुत्कार किये, ओह रे!

रास्ते के किनारे में मैं टहलते हुए लिपट गया था
लाथ मारते हुए लोग खुब हँसे खुशी से।

किस प्रकार ,कैसे तुम्हें मैं प्यार दूँ !
ले लो यह मेरे सूखे दिल की सूखी खून को।

मोनतइंग् दो

मोन तइंगदो बुरूकोरेअः दिरि सेरेंगलेका
बुरू बकड़ि बिरको तला लेपेंगा लता ओड़अःरिआ हो।

दिसुम एंगा कबुगे रिड़िंग्इअ,
दिसुम एंगा जनव बु जोअरइअ,
दिसुम एंगा जनव बु दुलाड़इअ,
कले बगेमा, ऐ एयंग जुरूमाले, सुरूमाले।
काले बगेमा ऐ एयंग।

लंगलेका तोलोंग्अकदाइंग,
सियुःतन, चलुः तन लोयोंग रे। 2
अइंग्–अइंगरे दुरंग्तनाइंग,
जगर तनाइंग् दिसुम एंगाइंग्लोः।

हए होनइंगदो

हए होनइंगदो, हए होनइंगदो, होनइंगदो
अद्अकन तइकेनाए, सोद्अकन तइकेनाए।

1 : हए होनइंगदो, हए होनइंगदो, होनइंगदो।

2 : नम–रूअड़लेन, होनइंगदो, होनइंगदो।

मन मेरा

मन मेरा पहाड़ के पत्थर व चट्‌ट्‌नों के जैसा
पहाड़ी बाग–बगीचा के बीच खोह में,
घर के अंदर हूँ मैं।

मातृ भूमि को हम न छोड़े,
मातृ–भूमि को हमेशा प्रणाम करें
मातृ–भूमि को हमेशा प्यार करें,
नहीं छोड़ेंगे हे माँ !
समेटेंगे, सुरक्षा करेंगे,
नहीं छोड़ेगे हे माँ!

लंग पक्षी के पूंछ जैसे मैं लम्बी लँगोटी पहना हूँ
हल चला रहा हूँ चाँवरा खेत में।
अपने आप में गुनगुना रहा हूँ, गीत गा रहा हूँ
बुदबुदाते हुए बात रहा हूँ मातृ भूमि के साथ।

ओह मेरा पुत्र

ओह मेरे पुत्र ! ओह मेरे पुत्र ! ओ मेरे पुत्र!
जब खो गया था, जब वह अज्ञात वास में था।

ओह मेरे पुत्र ! ओह मेरे पुत्र ! ,ओ मेरे पुत्र

पुनः लौट आया मेरे पुत्र ! मेरे पुत्र!

अइंग्दोइंग सेनोःतन

अइंगदोइंग सेनोःतन, अइंगदो निरे तन,
दुपुलाड़ जव दुलाड़ हातु दिसुम बगेकेअते।

ने रेदो, जिउ दुकुजन तेंगइंग,
ने रेदो मोन दुकुजन तेंगइंग, बोदोतेलङ सेनोःअ,
जउ रे गतिङ, ओको रेलङ निरउकुना?

निदाएओ जिउदो लोकोद्, सिंगिओ मोन दो गोसो,
पहमते, फिकिरते मोन रे, सुकुजिउ रसिका बनोः जना।

गतिकोइंग बगेकोतन, संगिकोइंग दोयापेतन,
निदाएओ सिंगिओ, जेताएओ अलोका को पहमइंगका।

एंगाकोइंग बगेपे तन, अपुकोइंग दोयापेतन
निदाएओ– सिंगिओ, जेताएओ अलोगेपे पहमइञा दङ।

हगाकोइंग बगेपेतन मिसिंकोइंग दोयापेतन,
निदाएओ–संगिओ, जेताएओ अलोगेपे पहमइञा दङ।

मैं तो जा रहा हूँ

मैं तो जा रहा हूँ, मैं तो भाग रहा हूँ।
हमेशा हमेशा गाँव देश का प्यार छोड़कर।

इससे मन में दुःखित होने, मन में दंश की वजह से
जल्दी हम चलें जायें, और मेरे दोस्त कहाँ हम छिप चलें।

रातको मन में डर–भय, दिनको मन में उदासी
सोच से, चिन्ता से, मन में सुख नहीं है।

मत्रों को छोड़ रहा हूँ, साथियों को दरकिनार कर रहा हूँ।
रात चाहे दिन में भी, कोई मुझे याद न करना।

माताओं को तुझे छोड़कर जा रहा हूँ,
पिताओ को दरकिनार कर रहा हूँ
रात हो चाहे दिन कोई भी, मुझे याद न करना।

भाईयों को छोड़ रहा हूँ, बहनों को दरकिनार कर रहा हूँ।
रात हो चाहे दिन कोई भी, मुझे याद मत करना।

दुलाड़ सड़ा

ने सड़ा, ने सड़ा, ने सड़ा, ने दुलाड़ सड़ा दो,
ने सड़ा, ओहा रे! दुलाड़ सड़ा,
ने सड़ा, ने सड़ा, ओह रे ! दुलाड़ सड़ा !
कोते, कोते कोरे अयुमोःअ ने सड़ा !
कोते, कोते कोरे उरूमोःअ ने सड़ा !
कोते, कोते कोरे सोअनोःअः ने सड़ा ?

मुदाई नुबअः हनरूब्रेंग हरूब्अकन तइकेना,
हातु जपअः रूअम रूअम होयो तइकेना,
लयुड़ लयुड़ गेले बाबा एकेला तन तइन केना,
लिपिर लिपिर कोरोंजो सकम।

जिउ लुतुरते, मोन मेद्किंगतेंग अरिद्अकद् तइकेना,
दरू बुटा ओकोए रोसोद्–पोसोद्एअ चि?
चेतन–लतर जीउ उटुलो–पुटुलोःतना,
इपिड़पियुङ पिड़िउङकेनाए!

काइंग नेलअना, काइंग अयुमअना, दुलाड़ सड़ा दो!
सेनोः जनाइंग दुलु–मुलु गोसो मोनते!
हसुजनाए हॉड़जनाए कुड़म लतर मईएनादो!
कुसुबे कुसुबे रगे तनाए, पिरिले पिरिले इअमतनाए!

प्यारा मधुर आवाज

यह आवाज, यह आवाज, यह आवाज,
यह प्यारा मधुर आवाज तो!
यह आवाज, ओह रे ! यह मधुर आवाज!
यह आवाज, यह आवाज, ओह रे! यह मधुर आवाज!
किधर, किस ओर यह आवाज सुनाई देती है!
किधर किस ओर सुंदर सुनाई देती है,
किधर किस ओर सु–मधुर सुनाई देती है?

बैरी रूपी अंधकार के ढकन में ढका हुआ था मैं
गाँव के निकट, मंद मंद हवा बह रही थी!
झुकी हुई धान की बालियाँ कँप रही थीं
इधर उधर हिलते हुए करंज की पत्तियाँ भी थीं।

सचेत मन दिल से मैं आंखे खोलकर देख रखा था।पेड़ के जड़ के पास कौन रड़–रड़ की आवाज दे रहा था।
उपर–नीचे दिल मेरा डर से भरा पड़ा था।
भाग़ जोगोनी अपनी प्रकाश देकर गायब हो गया।

देखा मैं नहीं, सुना मैं नही यह माधुर आवाज!
चला गया मैं दुःखी मन से दुःखित हो कर व
रूठकर चल गयी दिल में बासने वाली प्रिया।
सिसक सिसकर रोते हुए, आँखों से आँसु गिराते हुए चली गई।

चिलेकन जुनुल

निदा दो नुबअःगि, बुरू गेना पतेड़ा रे
चिलेकन जुनुल दङ जुलोःतना,
चिलेकन रूअ–रूअमतन मेद् बिरिंग बिरिंग तन
चिलेकन जुनुल दङ जुलोःतना।

गड़ा गेनाइंग होनोर तन
मोन तइञअः ओटङ तना
ने दिअ जुनुलरे बियुरतना
ने दिअ जुनुलरे इनुंग तना
चिलेकन जुनुल दङ जुलोःतना।

दरू बुटाइंग दुबअकन
मोन तइञअः अपिर तना
ने दिअ जुनुलरे बुलोः तना
ने दिअ जुनुलरे जुलोःतना
चिलेकन जुनुल दङ जुलोःतना।

ने दिअ जुनुल ते
जिउतइंग अतर तना,
रमबड़ा अतारलेका अतरतना
सिम इहिल रोंगो लेका रोंगोतना
चिलेकन जुनुल दङ जुलोःतना।

हाए जुनुल मसकल,
लिनिबुइ मेनअःतम चि?
सेकेड़ा इंड़िंज रेदो इंड़िजोःमे
का रेदो सकम लेका तोरेजिइंगमे
चिलेकन जुनुल दङ जुलोःतना।

कैसी प्रकाश

आँधियारी रात को पहाड़ के निकट जंगल में
कैसी प्रकाश जल रहा है।
कैसी टिमटिम सा प्रकाश जल रहा है
किस प्रकार का प्रकाश जल रहा है।

नदी तट मैं टहल रहा हूँ।
मन मेरा उड़ा जा रहा है
इस दीये के प्रकाश में घूम रहा है
इस दीये के प्रकाश में टिमटिमा रहा है
किस प्रकार का प्रकाश जल रहा है।

पेड़ के जड़ पर बैठा हूँ
मन मेरा उड़ा जा हरा है।
इस दीये के प्रकाश में मदहोशी है
किस प्रकार का प्रंकाश जल रहा है।

इस प्रकार का दीये के प्रकाश से
दिल मेरा जल रहा है।
उरद के जैसे भूना रहा है
मुर्गे का पँख जैसे जल रहा है
किस प्रकार का प्रकाश जल रहा है।

ओह दिव्य प्रकाश !
बहुत बेचारे हो क्या?
बुझ जना है तो जल्द बुझ जाओ
नहीं तो पत्ते के जैसे जल कर रख बनाओ मुझे
किस प्रकार का प्रकाश जल रहा है।

ओनोरोड अद् सनड
मृदुल गुंजन व अभिलाषा

लौरेन्स सिलास हेमरोम : सोरेञ

गोवरि

सोबेन पेड़ेःअन दिसुम बएकेन निःले
गोवरिमतन, एला तोरे एला अड़गुनमे।
अलेःआ मोनकोरे, अलेःआ होनकोरे
एला तोरे एला सनरति।

सोबेन मसकल सिंगि तुरतन निःले
गोवरिमतन, एला तोरे एला अड़गुनमे
नियरलेम सनंग्कोरे, रेयड़लेम रोआकोरे
एला तोरे एला सनरति।

सुकु सिनिगिद् जिनिद् गोनोःए निःले
गोवरिमतन, एला तोरे एला अड़गुनमे।
देंगालेम कमिकोरे, सेंड़ॉलेम कजि कोरे
एला तोरे एला सनरति।

वंदना

सर्वशक्तिमान जगत के सृजनहार की,
वंदना करते हैं हम, आइये आ, उतर आइये।
हमारे मन में, और हमारे बच्चों में
आइये आ, आइये सत्यनिस्ट।

सर्वउदीप्त्य उदीप्त्यमान की
वंदना करते हैं हम, आइये आ, उतर आइये
पवित्र कर हमारी इच्छाओं को, शीतल कर आत्माओं को
आइये आ, आइये सत्यनिस्ट।

दुःख–सुख के दया निधि व जीवन–मरण के ज्ञाता की,
वंदना करते हैं हम, आइये आ,उतर आइये
सहायता कर कर्मों में, बुद्धि दे वाणी में
आइये आ, आइये सत्यनिस्ट।

ओनोरोङ अद् सनङ : सेरेञ

ने सेरेञ, सेरेञ, सेरेञ गि तइनोः का मर,
अपु तलेम कजि केदा,
ने सेरेञ चेतन रे ओड़अःञ बइएअः
अरिल रतङ होयो दुदुगरकोए दरोमेंःआ।

बइरीको दुसुमनको,
ने सेरेञ चिउलाओ काको रपुदे,
जाउ जोरोङ चिउलाओ का देरङ हदुड़ोःआ।

नीः अमले रकाबमतन,
अमगिले ओमामेतन जिमामेतना,
होड़ो कजि एपरेङ, सोबेनअःए दरोमेःआ।

उली दरू

गड़ा गेना–गेनाते उली दरू, दरू लेना।
जेटे सिंगि, गड़ा दअःदो, अजेंद् जन,
उली दरू गोसो जना।

एन दरू चेतन रे, ढिचुआए तुका लेदा।
जेटे सिंगि गड़ा दअःदो, अजेंद् जन,
ढिचुआए रगे तना ।

यह चट्टान

इस चट्टान को, चट्टान ही रहने दो,
पिता तूने कहा,
इस चट्टान के उपर घर बनाउँगा
ओला–पानी, आँधी–तूफानों का सामना करेगा।

बैरी और दुश्मन
इस चट्टान को कभी नही तोड़ पायेंगे
यह कभी नहीं गिरेगा।

इससे हम तुझे चढ़ाते हैं
तुझे ही देते हैं, और समर्पित करते हैं
लोगों का विवादस्पद् कथनों को देख सामना करेगा।

आम पेड़

नदी के तीरे, तीर आम पेड़ ,पेड़ लगे थे।
गरमी काल में, नदी का पानी सूख गया,
आम का पेड़ मुरझा गया।

उस पेड़ के
ऊपर, ढेचुवा पक्षी घोंसला बनायी
गरमी काल में नदी का पानी सूख गया,
तब ढेचुवा पक्षी रो रहा है।

सनङ मेनअः रेदो

सनङ मेनअः रेदो लङ बिदिदा,
सनङ बनोः रेहो कलङ बिरिदा।

हुर–हुर तन होयो, गमा–गमाए,
टेपेसेर अरिल रतङ रताए,
सनङ तलङ सेरेञ गिरेदो
होयो गमा, अरिल रतङ काएः जेतालङ।

रड़ रिड़ तन रिमिल सड़ि सड़ाए,
जर जिर तन रिमिल हिचिर बड़ाए,
सनङ तलङ सेरेञ गिरेदो,
रिमिल सड़ि, हिचिर बोतोङ काएः जेतालङ।

दिरि टुकु मपरङ बुरूको सेरेञ
गड़ा डोड़ा मपरङ गड़ाको हुअङ,
सनङ तलङ सेरेञ गिरेदो,
रपुदोःआ–हदुड़ोःआ सेकेयोःआ हुअङ।

इच्छा हो तो

इच्छा हो तो, हम दोनों उठ खड़े होंगे,
इच्छा ना हो तो, हम दोनों खड़े नहीं होंगे।

उमड़ती घुमड़ती हवा पानी और बरखा
गिरती–टपकती, ओला और कुहासा–कोहरा,
इच्छा हमारी दृढ़ता से परिपूर्ण है
तो आँधी–तूफान, ओला–पानी और,
कुहासा कोहरा से भी कुछ नहीं होगा ।

गिड़गिड़ करती बादलों की आवाज
ठनकती–चमकती, बिजली की भयावाह चमक,
इच्छा हमारी दृढ़ता से परिपूर्ण है
तो आँधी–तूफान, ओला–पानी और,
कुहासा कोहरा भी कुछ नहीं कर पायेगा।

बृहद् शैल खंड, बड़े–बड़े पहाड़ों के चट्टान
नदी–नाला दाह और, गहरी गहरी विशाल खाई,
इच्छा हमारी दृढ़ता से परिपूर्ण है
तो टूटेगा, घंसेगा, और विशाल खाई भी,
असानी से पट जाएगी।

चिलिकालङ बिरिदा

चिलिकालङ बिरिदा?
सनङ तलङ बनोःरेदो,
चिलिकालङ बिरिदा?

दिसुम कोरेन होड़ोकोदो,होलारेको बिरिदेजना।
अयरतेको मंडा केदा, अयरतेको सेनेकेदा।
बिपिरिद् होराते, चिमितालङ बिरिदा?

सरना–सके कोना, दुलु–मुलु सुड़ा संगेन जना,
सिञअड़अः मदुकमको पिड़ि–पिड़ि, सुड़ा संगेन जना।
बिपिरिद् होराते, चिमितालङ बिरिदा ?

बिरिदालङ सेनेअलङ, मोनतङ सुड़ा संगेनोःआ,
बय–बुतिद्, सेंड़ॉ पुतिद्, अयर तेलङ सेन अयरेःआ,
बिपिरिद् होराते, इमतालङ बिरिदा।

कैसे उठ खड़े होंगें हम दोनों

कैसे उठ खड़े होंगें हम दोनों?
अगर इच्छा हमारी नहीं हो तो
कैसे उठ खड़े होंगे हम दोनों?

दुनियाँ के लोग तो, कल ही उठ खड़े हो गये
आगे वे चले गये, आगे वे अपना कदम रख दिये
उत्थान की राह पर, कब हम दोनों उठ खड़े होंगे?

सरना–सके के झुरमुठ की झाड़ियों में
नयी कोमल कोपल निकल आयी है
कोयनार, महुआ खेत पे खेत में नयी
कोपलें खिलखिला रही हैं,
उत्थान की राह पर,
कब हम दोनों उठ खड़ा होंगे ?

उठेंगें चलेंगे, मन हमारी जरूर
नयी कोपलों सी खिलखिला उठेंगी
विकास की, होड़ में सूझ–बूझ के
साथ हम दोनों आगे बढ़ेंगे ही
उत्थान की राह पर, हम दोनों
जरूर उठ खड़ा होंगे।

अञदोञ नेलमा

जनव अञदोञ नेलमा रे,
ने बुरू बोडा डुंकू रे।
हय अमदोम बियुरेना,
हय अमदो सेकोरेना,
चिलिकन सनङ सिबिलाते
नेरेम तेता तना, नेरेम तेता तना।

दिसुम होड़ोको अदे जना,
ने बुरू बोडा डुंकू रे।
टकातेको बियुरेना,
सिकातेको सेकोरेना,
चिलिकन सनङ सिबिलाते
नेरेम तेता तना, नेरेम तेता तना।

तिःइञ नेले

तिःइञ नेले, तिःरे,
कटाइञ नेले, कटारे,
मेंड़ेद् बिरिया।
नङको रअः बिरिया, चिलकञ दोड़ाङे उदुबञमे ?
हतुञ नेले हतु रे, टोलाञ नेले टोलारे,
सरनाञ नेले, सरना रे, सकेञ नेले सकेरे,
बङकोःआ बोंगा, नङकोरअः दुलड़ मनतिञ, कोरेञ नमेःआ?

मैं तुझे देखता हूँ

हमेशा मैं तुझे देखता हूँ।
इस पहाड़ी गँदले गहरे जलदाह में।
ओह! तुम तो घूमते हो,
ओह! तुम तो चकर लगाते हो
किस प्रकार की आकांक्षओं के मीठे स्वाद से
यहाँ जल निर्मल कर रहे हो, यहाँ पानी साफ कर रहे हो।

देश के लोग भटक गये
इस पहाड़ी गँदले गहरे जलदाह में,
रूपये और कौड़िओं से चक्कर लगाते हैं,
अपने धन से घूमकर चले आते हैं
किस प्रकार की आकांक्षाओं के मीठे स्वाद से
यहाँ जल निर्मल कर रहे हो, यहाँ पानी साफ कर रहे हो।

हाथ देखता हूँ

हाथ देखता हूँ, हाथ पे,
पैर देखता हूँ पैरों पे लोहे की बेड़ी,
युग–युगों की बेड़ी, कैसे तोड़ डालूँ? मुझे बता !

गांव देखता हूँ, गाँवों में ,
टोला देखता हूँ, टोले में,
सरना में देखता हूँ, उसकी पवित्रता को
सखुआ देखता हूँ, उसके झुरमुट के उपवन में
देवता नहीं हैं, प्राचीन काल से चली आ रही
प्यार का उपासना पाउँगा कहाँ मैं ?

गितिःअञ

दुकु अनटेद् अटेद्ञमे,
हसु सिनिबिलअः जिलिङञमे,
गितिःअञ दुकु–हसु रे, दुलाड़ उमाँ ना!
हगा–मिसि को सेनोःतन,
कमि नला को सेनोःतन,
इहिम तञदो दोलोबे–दोलोबे!
मेंद्दअः तञदो, रोलोबे–रोलोबे!

जनुम कनटेद् अटेदञमे
चोगा–चोनोगद् तिंगुअञमे,
रोएयञ जनुम चोगागि, दुलाड़ उमाँ ना!
ओते–हसा को केजातन,हतु–तुकाको तुलातन,
सुरूद् तञको, सेरेदे–सेरेद्,
मॉयोम तञ को जेम्बेदे–जेम्बेद।

सोऊँगा मैं

दुःख विध्न, बाधाओं को बिछा दे मुझे !
दुःख का मीठा, फिर लम्बा लकीर खींच दे।
सोऊँगा मैं, दुःख–सुख में, ओह माँ !
भाई–बहनें जा रही हैं
मजदूरी करने जा रहें हैं।
दिल मेरा तो, कर रहा है, धक्–धक्
आँखों का पानी मेरा, गिर रहा है झर झर !

काँटीली विध्न, बाधाओं को बिछा दे मुझे !
नुकीला चोख–चोखी, खड़ा कर दे सामने।
बोया हुआ काँटीले बाधाओं का सामना करूँगा, माँ !
जगह–जमीन को बेच रहें हैं,
गांव–टोला नाप रहें हैं ।
दिल मेरा तो टुकड़ा–टुकड़ा हो गया, निराशा के गहरे दाह में
और मेरा खून को, चूस–चूसकर कर ले रहें हैं मजा !

देला तो कोरेमा

देला तो कोरेमा, देला तो कोतेमा ?
बुरू जोला कोञ दंड़ॉ मारे, देला कोरेमा!

बुनुगि रअः मरसल, अमगि अयर तननिः
जिनिद्–गोनोएः होरा, अमगि उदुब् तननीः, कम नेलोःआ?
मोन–मोन रेञ दंड़ॉ मारे, देला कोरेमा ?

सुकु सनदि सेतेञ, अमगि सुरूद् सेरेञ
रूतु सड़गि ओनोरोङ, अमगि दुलड़ बिनिरिञ, एला तो कोरेमा,
जीउ–जीउ रेञ पीचामारे, देला कोरेमा?

होरा तञ रे केनेसेद्, दुकु–हसु एनेसेद्
जीउ तञ रे पेनेड़ेज्, लिंका लबअः सेपेड़ेद्, देंगञ असिमा ,
दुकु मोनतेञ नेलमारे, देला कोरेमा?

आ तो आ, हो कहाँ

आ, तो आ, हो तुम कहाँ ?
पहाड़ो की तराई और खाईयों में तुझे ढूँढ़ता–फिरता,
हो तुम कहाँ?

सच्चाई की ज्योति, तुम ही अगुवाई करने वाले
जीवन–मरण का रखवाला, तुम ही बताने वाले, नहीं दिखते हो !
मन–मन में तुझे ढूँढ़ता हूँ, आ, हो तुम कहाँ?

आनंद का झारना, तू ही दिल का शीला,
बाँसुरी की सु मधुर आवाज, तू ही प्यारी, हो तुम कहाँ ?
मन–दिल में ढूंढ़ता हूँ, आ, हो तुम कहाँ?

राहों में मेरा विध्न–बाधाएँ, दुःख–दर्द की विकट स्थिति
मन–दिल में गुनगुनाता हूँ, मैं अति कमजोर युवक, मदद चाहता हूँ,
दुःखित मन से आशा लिए ? हूँ, आ, हो तुम कहाँ?

सिंगितम ए हसुर तना

सेन होरा दो मेनअः गिआ
सिंगितम दोए हसुर तना।
एला होनम लगा जना,
सेनहोरा रे बुरू–बिरको सोंगा रे,
एला होनम लगा जना,
एला होनम रूआतना।

सुगड़ पुटुकल दुलुमुलू,
सके सरजोम सुड़ा जना।
चिःआ होनम लगा जना,
मोन सेंड़ॉ रे जुनुल कपजि होरा रे,
चिःआ होनम लगा जना,
चिःआ मोनम कंड़ॉजना।

दिरि डुंकू बोडा जना
बंदा सड़गि सेकेजना।
चिःआहोनम पटेद्जना?
हगा सोयाते,सेंड़ॉ कपजि होरा रे,
एला होनम लगा जना,
एला मोनम पसेजना।

नेते हेनते बुरू–जोला,
सेन होरा रे, गड़ा–सोंगा,
एला होनम चिका जना ?

केडा बदी रे,सेंड़ॉ केनटेद् दोराते,
एला होनम चिका जना,
एला मोनम पसेजना।

होड़ो होनको रिंदा जना,
सेंड़ॉ मोनको रिंगा जना,
एला होनतम बलुजना,
मोन सेंड़ॉ रे, लतुपतु रिंगा बेड़ा रे
एला होनम बलु जना,
एला मोनम हसु तना।

बड़ी जंग चि रिंगि–चिंगि,
रेबेदेन में दिरि–दिरि,
एला होनम सेंड़ॉ जना,
रिंगा बेड़ा रे, केडा केनटेद् सेड़ॉ रे,
बुरू चुटि को हदुड़ेमे,
दिरि–टुकु को पटुबेमे।

सूरज तेरा ढल रहा है

चलना तो बाकी है ही
सूरज तो तरा ढल रहा है।
अरे! बच्चा तू थक गया,
पथ की राहों में पहाड़–पर्वत और खाईयों में,
अरे! बच्चा तू थक गया,
अरे! बच्चा तू बीमार हो गया।

सुन्दर पुटकल का पत्ता कोमल
झुरमुठ साखु का कोमल पत्ता उग आया
क्या बेटा तू थक गया ?
मन के द्वन्द, सत्य की बातें राहों पे,
क्या बेटा तू थक गया ?
क्या मन, तू अज्ञानता में समा गया?

चट्टानी दाह गँदला हुआ
बाँध भट गया।
क्या बच्चा तू लटपटा गया।
सड़ी मिट्टी और विवादों के राहों में
अरे बच्चा तू थक गया
अरे मन, तू फाँस गया!

इधर–उघर पहाड़ी खाई–दर्रा
पथ पगों में गहरी खाई।
अरे! बच्चा तुझे हुआ क्या?
भैंसा के चमड़े का फीता और
ज्ञान की अटपटा चाल में,
अरे! बच्चा तुझे हुआ क्या ?
अरे मन ! तू फाँस गया।

लोग अप्रिय काम में लग गये,
उनके मन में ज्ञान का अभाव हुआ,
अरे! बच्चा तू हुआ पागल!
मन–विचारों में उलझन, अकालों में
अरे! बच्चा तू हुआ पागल !
अरे मन तेरा हुआ अति दुःखित।

बरगद बीज अनगिनत
पत्थल के साँकरे परत पर परत में उग आइये।
अरे लड़का! हुआ तू ज्ञानी,
आकाल के काल और बैरीओं के कँटीले दिमाग के वक्त
पहाड़ की चोटी और पत्थलों को तोड़ कर विध्वंस कर।

चिलकम जीदेना

दअःञ मेने दअः बनोःआ, नमिन जेटेरे चिलकञ जी'देना ?
अड़अः दोञ जोमेंगिःआ, सकम दोञ उदेगिःआ,
तेतङ तन रे, दअः बनोःआ चिलकञ जीदेना?

जोमञ मेने जोमको बनोःआ, नमिन रिंदा रे, चिलकम जी'देना
हसा चिञ जोमेतअःआ, दुड़ा चिञ उद्तेःआ,
रेगेज् तन रे जोमको बनोःआ, चिलकञ जीदेना ?

लिनिबुई नङ लिबुई बनोःआ, नमिन रिंदा रे चिलकञ जी'देना
टका चि मरङ जना,सेंड़ाँ चि कड़ाँ जना,
रिंदा मोनरे लिबुई बनोःआ चिलकञ जी'देना ?

टपुतिञा जोमको बनोःआ, पंजाब तिञा चि चिलकञ जी'देना ?
टकादोए कड़ाँ तटिञ, सिका दोञ ओंड़ाँ तदिञ,
इठा–भठा जोमको बनोःआ चिलकञ जी'देना?

दिसुम तिञा टका बनोःआ, नमिन लंकाएते चिलकञ रूअड़ा
भड़ा नङ टका बनोः, निरञ दो जिनिद् बनोः,
तुरतन गोनोःएः एला एलाञा चिलकञ जी'देना ?

हगा–जाति देंगा बनोःआ, नमिन लोलो रे चिलकञ जी'देना ?
सनङ तम सेरेञ गिःआ, उड़ुःतम केटेज् गिःआ,
चंडङ लेमें सेड़ांए उदुबामें चिलकम जी'देना ?

कैसे जीओगे

पानी चाहता हूँ, पानी है नहीं, इस भारी गरमी में, कैसे जीऊँगा?
साग तो खा लूँगा, पती भी निगल लूँगा,
प्यास के वक्त, पानी है नहीं, कैसे जीऊँगा?

खाना चाहता हूँ, खाने को है नहीं, इस भारी आकाल मे, कैसे जीऊँगा?
क्या मिट्टी खाने की चीज है? क्या घूल निगलने की चीज है?
भूख के वक्त, खाने को है नहीं, कैसे जीऊँगा?

लाचार के लिए दया नहीं है, इस विकट परिस्थिति में कैसे जीऊँगा?
रूपया बड़ा हो गया और ज्ञान समाप्त हो गया।
विकट परिस्थिति में, दया नहीं, कैसे जीऊँगा ?

अण्डामन जाऊँगा, चाहे पंजाब कमाने,
घर में खाने को है नहीं, और जीऊँगा कैसे ?
पैसों ने मुझे भटका दिया, खाने को है नहीं,
और मैं चला गया ईटा–भठा पैसा कमाने, कैसे जीऊँगा?

वापस अपना देश जाऊँगा परन्तु पैसे नहीं है,
इतनी दूर से लौटूँगा कैसे? वापसी के निमित पैसे नहीं है।
भागूँ तो कैसे ? मौत है! उगती मृत्यु! आओ आओ कह रही है।

भाई–बन्धुओं का मदद है नहीं, इतनी भारी तपस में कैसे जीउँगा?
इच्छा तुम्हारी दृढ़ता से परिपूर्णा है, विचारों में है मजबूती।
तो कदम बढ़ओ, तुम्हारी बुद्धि, मार्ग दर्शन करेगी कैसे जीओगे?

दिसुम एंगाअः रनअः

कजि कमि कञ सुकु जना
दुकु–हसु तेञ लगा जना।
हएरे दुलड़ सोना तञ,
बनोःअ सुकु जीउ रे,
दिसुम तमअः लो तना।
एंगा तमअःए जुडी तना,
नेलकोम निदा सिंगि,
जीउ रे सुकुदे सुकुदे,
हागम तेको रअः तना,
मिसिम तेको रअः तना।

बुरूरे सेंगेल जुलतना,
दरूको सोबेन लो तना।
दिसुम होड़ोको नेलेतन,
हए ओकोए नेलिञा?
जीउरे सेंगेल जुलतना,
इहिम सुरूद् लो तना,
होन दो हसु–दुकु तन रेको बगेतदिञ,
हए ओकोए नेलिञा?
हए ओकोए दोलाञा?

होन तञको जुदा जना,
हगा–मिसिको बुलतना,
टका तेको कंड़ॉजन,
बनोःअ दुलड़ इनकु रे,
सेता निकु बए जना
सकड़ी रेको बेदा जन,

पहमेंम निदा–सिंगि हसु–दुकु रे,
हमबुद्–गुंगुद केद्पेःअञ
असुल हरा केद्पेःअञ।

कंड़ॉ लिटा तञ मेनाइया,
इनीः गिचञ हम्बुदा,
हसु–दुकुए नेललिञा,
जेतए होनदो बङकोःआ,
इनीः गिचए सोनोःगिञा,
सेता चलन नेलनेलते होनकोःआ
इहिम सुरूद् रिद् जनञ,
सेंड़ॉ सोबेन अद् जनञ।

मातृभूमि का रूदन

विचार और काम–धाम मुझे पंसद नहीं किया
दु:ख–दर्द से थक गया।
ओह! मेरा प्यारा बेटा
नहीं है जी में शांति
देश तेरा जल रहा है,
माँ तुम्हारी जल रही है।
देख दिन–रात!
दिल में अति वेदना
भाई तुम्हारे रो रहे हैं
बहनें तुम्हारी आँसू बहा रही हैं।

पहाड़ में आग लगी है
पेड़–पौधे सब जल रहे हैं।
संसार के लोग देख रहे हैं,
ओह!मुझे कौन देखेगा?
कलेजा और दिल मेरा जल रहा है
बच्चे मेरी दु:ख की घड़ी में मुझे छोड़ दिये।
ओह! कौन देखेगा मुझे?
ओह! कौन मुझे संत्वाना देगा?

बच्चे मेरे अलग हो गये
भाई–बहन पागल हो रहे हैं
रूपये–पैसों से अंधे हो गये ।
आपसी प्रेम उनके बीच है नहीं,
कुत्ते बन गये वे !
जूठे पत्तल में ठगा गये वे

सोचो दिन–रात, दुःख तकलीफ में
गोदी–वादी किया बड़े प्यार से
पला–बढ़ाया मैं ने तुम्हें !

काना लिटा मेरा है ही!
यही हमारी सुरक्षा करेगा !
दुःख–दर्द में यही मुझे देखेगा
कोई भी बच्चे हैं नहीं?
यही मुझे देखेगा,
कुत्तों की गंदी चाल–चलन देखकर
दिल मेरा रौंद गया!
बुद्धि सब मेरा बेकार और समाप्त हो गया।

ओड़ॉ तन दिसुम

ओ दुलड़न एंगा तञ,
जनव जोरोङ दया तञ,
हए अलोगिम हिगाडिञ,
अमअः सुरू रे,
जीउ रड़ेःञ असितन।

दिसुम तम दो ओड़ॉ जन,
बोंगा–बैरी को डेरा तन,
हय कजितम तोपातन,
हय जीउ तञ जुंडीतन,
हय मोन तञ रोगो तन।

मोन तञ दो लगातन,
दिसुम सुकु रेंग् अदाकन,
मेंद् किङदो कंड़ॉ जन
असितन नञ मसकल
असितनञ दयातम।

हय सिरिमा जेटे तन,
हसा–दुड़ाको लोलोतन,
हय तलारेञ पुडुतन,
देंगा तम नमतन।

तेतङ तेञ बुलतन,
रेंगेज् तेञ बलुतन,
होड़मो तञ समाजन
सुकु कजि कोञ नेलतन,
सेंड़ॉ जोम कोञ कोंएतन।

विनाश होता देश

ओह! प्यारी मेरी माँ !
मेरे प्रति अनन्त दया दिखाने वाली
ओह! कभी मत अलग करना मुझे
तुम्हारी छात्र–छाया में
शाँति माँग रहा हूँ ।

देश तुम्हारा अपवित्र हो गया
भूत पिशच् और दुश्मन डेरा डाल रहें हैं।
ओह! तुम्हारे विचारों का दरकिनार कर रहे हे।
ओह! मेरा दिल जल रहा है
ओह! मन मेरा रोग–ग्रसित हो रहा है।

मन मेरा थक गया
दुनियाई सुख में डूबा हुआ हूँ
आँख मेरी दोनों आँधी हो गई
माँग रहा हूँज्योति,
माँग रहा हूँ तुम्हारी दया!

ओह! कितनी चिल्लचिलाती धूप !
धरती माटी और बालु गरम हो गया
ओह! बीच में मैं भुना जा रहा हूँ
तेरी सहायता मांग रहा हूँ।

प्यास से मर रहा हूँ
भूख से तड़प रहा हूँ
शरीर मेरा नंगा हो गया
आनंद दायक बातों की खोज में
और ज्ञान की भीख मांग रहा हूँ।

कोरेञ सोअब् मेःआ

नमिन सुगड़ जिनिद् तमअः,
नमिन सुगड़ सोनोः तमअः,
चिनअः चिका तदा, उदुब्ञ में सन्दु ?

रोड़ डुठू ओता दो कमअः,
गोटाली कोरे इतुन कमअः
कोरेञ डुंगा मेःआ, कोरेञ सोअब् मेःआ
सिरिमा चेतन ओते कोरे चि, ओते को लतर कुहियाः कोरे
उदुब्ञमें सन्दु कोरेञ चिका मेःआ ?

सिबिल सोवन हेड़ेम सुरूद्
रसिका सुकु बुगिन सनब् सोबेन,
चुंगी हुका चि तमकु चिलम चका जना।
कुम्बुडु–जुम्बुड़ी तरागेनाएते मेदम जला जना
उदुब्ञ मे सन्दु कोरेञ चिका मेःआ ?

हगा–मिसि को सेनोः काको
असम टपु अरूनाचलते, पीटि–पलो दोलङ इलि भठी तेलङ
बटि–बटि लङ नुः जगरा, लंदा लंदा लङ जगरा
चिनअःम मेतञ तना, सन्दु कोरेञ चिकामेःआ ?

कहाँ तुम्हें मैं सजाउँ

इतना सुन्दर जीवन तुम्हारा
इतना सुन्दर श्रृँगार तुम्हारा
क्या कर दिया मैं ने, बताइये सन्दु।

हल चलाना नहीं चाहते हो
कॉलेजों में सीखने चाहते नहीं हो।
कहाँ तुम्हें ले चल फिरू? कहाँ सजाउँ
धरती के उपर के आकाश में या तो धरती के नीचे घड़े में
ओ बता सन्दु, तुम्हें कहाँ क्या करूँ ?

मीठी–मीठी सुगंध और मीठा सा दिल
खुशीयाली का सुखद सजोसामान सब
बिडी–चुंगी की तमाखु और हड़ियाँ की लत लग गई
चोरी–डाकैती सब में ही आँख से अंधे हो गये हो।
ओ बता सन्दु, तुम्हें कहाँ क्या करूँ ?

भाई–बहनों को जाने दो
आसम, टापू, अरूणाचल प्रदेश को
और बाजार–हाट की शराब भठी में चलो हम दोनों।
लोट–पोट, लूढ़क कर सोकर,
हँसते हुए हम पीते हुए हम दोनों बातें करेंगे,
क्या बोलते हो, सन्दु! कहाँ क्या करूँ ?

बिरियञ दोड़ाङ ए गिःआ

नङ को रअः बिरिआ
दड़ि लेका रेदोरेञ, दोड़ाङ ए गिःआ।
जोम तन, नु तन, पुण्डी बोंगा को,
रिंदा जति कोञ हरको गिःआ।

टोनोम बोतोःए हगा को
दड़ि लेका रेदो रेञ, गुपिको गिःआ,
हरा तन, सुड़ा तन, पुण्डी बंगेला,
दड़ि लेका रेदोरेञ, हदुड़े गिःआ।

सुकु मोन सेंड़ॉ सनदी
अरकिद् तन बोंगा, सेता गुपिको,
दुबाकन, बैयाकन दरू गण्डु रे,
जका–मका सुड़ा तन, डोंडो सेंड़ॉ रे।

तोल तञ पे तिः किन
कटा–मोचा को तञ, तोल बइएपे,
सुड़ा तन, नड़ि तन,
बोंगा जति को, जॉ लेका तेञ, हर को गिःआ।

बँधनों को तोड़ ही डालूँगा

युगों का बँधन
हो सके तो, तोड़ ही डालूँगा ।
खाते हुए, पीते हुए, सफेद प्रेतों को
हठधर्मियों को खदेड़ कर ही रहूँगा।

करेया भगोवा पहनेवाले भाइयों को
हो सके तो, रे भाई ,
उन्हें सही मार्ग दिखाऊँगा ही।
फलते–फूलते सफेद अट्टालिकाओं को
हो सके तो, विध्वंश कर ही डालूँगा।

सुखी मन और ज्ञान की धारा
पाप किया करने वाले और कुत्ता चराने वाले,
सु–सज्जित आसनों पर बैठे हुए, बनाये हुए हैं
लाचार जनता के अज्ञान पर।

बाँध दीजिए, दोनों हाथों को मेरे
पैर–मुँह को बंद कर दीजिए मेरे
उग रहा कोपल, लग रही लताएँ
सताने वाले भूतों की जातियों को,
किसी भी प्रकार से भगा कर ही दम लूँगा।

जुनास कन्डुलना : 'मुन्डा होन'

21 फरवरी 1922 को दिसुम में आगमन मुंडारी साहित्यकार, कवि जुनास कन्डुलना '' मुंडा होन'' नाम से ख्याति प्राप्त, मूःधन्य कवियों में एक हैं। स्वछंद गेय कविताओं की रचना करने वाला विद्वान, मुंडारी गेय कवियों में शायद ही उत्पन्न हों। अपनी मातृभाषा से प्यार करने वाले जीवन भर अपनी करूणा से युवा दिलों को एकजुट करने वाला यह कवि हर दशक में बिरले ही मिलेंगे। कवि ने मुंडा आदिवासियों की दशा को निकट से देख कर बार–बार रोते हुए सोने वालों को उठाने की कोशिश की है। मातृभूमि की लूट, आदिवासियों का पलायन हजारों पीढ़ीओं से, बड़ा त्रासदी रहा है। सूदखोर महाजन, जमीनदारों का अत्याचार, बेटबेगारी जैसे समस्या से मुक्ति पाने के लिए कवि ने बार–बार आह्वान किया है अपनी कविताओं से।

इनकी कृतियॉ भले ही आज पाठ्य पुस्तकों में सम्मिलित न हो पाये हों, पर अपने गेय कविताओं के आवाज से प्रत्येक युवा दिलों में बसते हैं। मुंडारी गीत के रसिक साहित्यकार इनके कविताओं को आम बैठक में गुनगुनाते हुए मधुर स्वर से आह्वान करते हैं। अपनी मातृ भाषा की महत्ता को ऊपर उठाने के लिए माँ की गोद में बार–बार रोता है यह कवि। अबुअः दिसुम रे अबुअः राइज को पाने के लिए अपने बड़े भाई बिरसा मुंडा व बन्डअः जयपुर के भारमी मुंडा (कन्डुलना) को एक बार नहीं सैकड़ों बार बुलाता है। यही तो इस गेय कवि जुनस कन्डुलना मुंडा होन की विशेषता है। बूढ़े बुर्जूगों के दिलों को यवन की हवा में मद्होश पाने के लिए घने जंगल में शेर के जैसे दहाड़ने को कहता है।

उम्मीद करता हूँ। उनके मूल पुस्तक ''सेपेड़ेद् दुरंगको ओड़ोः एटअः ओनोल को'' से अनुवादित चुनिंदा गेय कविताएँ मुंडारी – हिन्दी अनुवाद देश की मुख्य धारा की साहित्य के एक कोने में जगह जरूर मिलेगी।

लौरेन्स सिलास हेमरोम : 'सेरेञ'

लौरेन्स सिलास हेमरोम ''सेरेञ'' का जन्म आज के झारखंड दिसुम, खुंटी जिले के तोरपा थाना व रोमन काथोलिक मिशन हता तोरपा में 9 फरवरी 1942 में हुआ। पिता जी तोरपा में एक शिक्षक थे। बड़े भाई डा. पीटर पौल हेमरोम एथनोवॉटनी के विशेषज्ञ होने के नाते इनके जीवन में आदिवासी समाज व पर्यावरण से गहरा पैठ इनके दैनिक जीवन का एक भाग रहा है। आज मुंडारी साहित्य की अल्प रूचि ने, इन्हें जड़ी बूटियों की पहचान से ''होड़ो पैथी'' डॉ उपाधि से नवाजा है। 450 जड़ी बूटियों के विशेषज्ञ के रूप में अपनी गहरी पैठ बना चुके हैं।

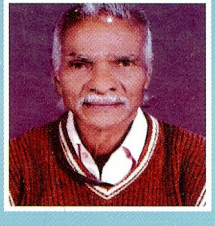

मातृभाषा की प्यार व लगाव प्रत्येक भाषा समुदाय में होती है। अपनी मातृभाषा की दुर्दशा को देखकर कवि रोते रहते हैं। समाज से अत्यधिक लगाव के करण कवि ने अपनी मधुर आवाज से मुंडारी साहित्य को आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। मुंडा होन जुनास कन्डुलना से प्रभावित होकर कवि अपनी कविता के लेखनी से समाज को जागृति करने चाहता है।

मुंडारी साहित्य के क्षेत्र में इनकी कृतियों मे ''ओनोरोङ : 1982. सनङ : 1984. मुंडा को 13 फरवरी 1994. व रूअड़गेअ को कहानी प्रसिद्ध है। इसके अलावे हिन्दी साहित्य के लिए ''हम सब'' में सुनैली हिरण, जादु के देश में नामक कहानी, जगत पत्रिका में छापी। सन 1984 को उड़िसा मुंडा सभा सोशियो कॉल्चरल ने अपनी गेय कविता के लिए ''सेरेञ'' नाम से उपाधि प्रदान किया है।

समय समय पर कवि की दर्द इतनी कराहती है कि समाज के लिए हर कोई उसी आवाज में रोने लगते हैं। कवि ने अपनी लेखनी से भरपुर रोया है। कवि बार बार हारमोनिय, बेजो, यामहा व कैसियों की ताल से रोता नहीं पर अपने ही मुंडा समाज की आवाज व करूणा से रोता है। कवि के कविताओं में कांचि, तजना, कारो, कोयल व छोटी छोटी नदी की टकराती हुई आवाज सुनाई देती है। मुझे आशा है कि इस कवि की चुनिंदा कविताएँ आदिवासी साहित्य में जरूर जगह मिलेगी।

रू 250/–

978-93-85408-21-2